वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in   Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 246 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शुक्रवार 27 नवंबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

भीषण ठंड में किसानों पर पानी की बौछार भारी अन्याय: राहुल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों पर कड़ाके

की ठंड में पानी की बौछार करने को अन्याय बताते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार विरोध कर रहे किसानों की बात सुनने की बजाय उनकी आवाज को दबा रही है।

गांधी ने ट्वीट किया 'किसानों से समर्थन मूल्य छीनने वाले कानून के विरोध में किसानों की आवाज सुनने की बजाय भाजपा सरकार उन पर भारी ठंड में पानी की बौछार मारती है। किसानों से सबकुछ छीना जा रहा है और पूंजीपतियों को थाल में सजा कर बैंक, कर्जमाफी, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन बांटे जा रहे हैं।'

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि न्याय मांगते किसानों के सीने पर पड़ने वाली लाठियां भाजपा राज के कफन में आखिरी कील साबित होंगी और जीत अन्नदाता की ही होगी। उन्होंने कहा 'भीषण ठंड के बीच अपनी जायज मांगों को लेकर गांधीवादी तरीके से दिल्ली जा रहे किसानों को जबरन रोकना और वाटर कैनन चलाना मोदीखट्टर सरकार की तानाशाही का जीवंत प्रमाण है। किसान विधेयकों को लेकर कांग्रेस का समर्थन किसानों के साथ है।'

किसानों को पुलिस ने रोका, दिल्ली की सीमाओं पर बवाल

दिल्ली चलो मार्च: किसानों पर पुलिस ने की पानी की बौछार, छोड़े आंसू गैस के गोले

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 26 नवम्बर । केंद्र सरकार के कृषि बिलों के विरोध में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के किसानों का दिल्ली चलो मार्च वीरवार को दिल्ली, हरियाणा और यूपी की सरकारों को भी मुसीबत में डाल दिया। दिल्ली की सभी सीमाओं पर पुलिस ने भारी बंदोबंत किया था, बावजूद इसके किसानों और पुलिस के बीच झडप हुई।

पंजाब के साथ लगी शंभू अंतरराज्यीय सीमा के पास घग्घर नदी पर बने पुल पर हरियाणा पुलिस और ट्रैक्टरट्रॉली में सवार पंजाब के प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष हुआ। हरियाणा पुलिस ने बृहस्पतिवार को पंजाब के किसानों के एक समूह को तितरबितर करने के लिए पानी की बौछारें की और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। ये किसान केन्द्र के कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्तावित दिल्ली चलो मार्च के तहत कथित तौर पर पुलिस अवरोधक लांघ कर हरियाणा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे।

हरियाणा पुलिस के अधिकारियों ने लाउड स्पीकर का इस्तेमाल किया और पंजाब की सीमा के पास इकटठे किसानों को वहां से हटने के लिए कहा। उनमें से कुछ अवरोधक लांघने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान आंसू गैस के गोले छोड़े जाने के समय लोग ट्रकों के ऊपर सवार दिखे। हरियाणा पुलिस ने अमृतसर दिल्ली राजमार्ग पर सीमा के पास ट्रकों से जाम लगा दिया ताकि किसानों की ट्रैक्टरट्रॉलियों को रोका जा सके। राष्ट्रीय राजमार्ग पर शंभू अंतरराज्यीय सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, जहां किसानों ने कुछ अवरोधकों को घग्गर नदी में फेंक दिया। उनमें से कुछ ट्रकों को भी धक्का देते नजर आए। कुछ प्रदर्शनकारी शुरू में पैदल ही अवरोधक पार कर गए। बाद में पुलिस ने नाकेबंदी में ढील बरती जिसके बाद प्रदर्शनकारी और उनके ट्रैक्टर दिल्ली की ओर बढ़ गए। लेकिन राजमार्ग पर अन्य स्थानों पर भी अवरोधक लगाए गए थे। करनाल में पुलिस के साथ एक बार फिर

संघर्ष हुआ। प्रदर्शनकारी किसानों के पहुंचने की स्थिति में दिल्ली पुलिस ने हरियाणा और उत्तरप्रदेश की सीमा के पास सुरक्षा बढ़ा दी है। दोपहर में पंजाब के प्रदर्शनकारी दूसरे स्थानों से हरियाणा में घुस आए थे और वे बड़ी संख्या में दिल्ली की ओर बढ़ रहे थे। हरियाणा से भी बड़ी संख्या में किसानों का समूह दिल्ली की तरफ बढ़ा। पंजाब के एक किसान ने शंभू सीमा के पास पत्रकारों से कहा, यह ड्क्षनदनीय है कि हरियाणा पुलिस शांतिपूर्ण तरीके से इकटठे हुए प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए ऐसे उपाय कर रही है। हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन वे विरोध करने के हमारे लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने से हमें रोकना चाहते हैं।

शंभू सीमा के अलावा पुलिस ने कैथल जिले में घुसने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारियों और खनौरी सीमा पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भी पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। यहां प्रदर्शनकारी भारतीय किसान संघ (एकताउगारहन) के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे थे। संघ के अध्यक्ष जोड्क्षगदर ड्क्षसह ने कहा कि वे वहां सात दिनों तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, पंजाब के मुख्यमंत्री अमड्क्षरदर ड्क्षसह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरड्क्षवद केजरीवाल ने शंभू सीमा पर हरियाणा पुलिस की कार्रवाई की ड्क्षनदा की। गुडग़ांव में स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र यादव और प्रदर्शनकारियों के एक समूह को पुलिस ने हिरासत में लिया क्योंकि वे दिल्ली की तरफ मार्च करने का प्रयास कर रहे थे। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को कहा था कि उसने किसान संगठनों को राष्ट्रीय राजधानी में 26 और 27 नवंबर को प्रदर्शन करने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। इससे पहले दिल्ली की सीमा के साथ लगते उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में कुछ प्रदर्शन हुए और गुडग़ांव सीमा के पास यातायात जाम हुआ। हरियाणा ने बृहस्पतिवार को पंजाब से लगी अपनी सभी सीमाओं को पूरी तरह सील कर दिया है ताकि दिल्ली जाने के क्रम में किसान उसकी सीमाओं में प्रवेश नहीं कर पाएं। प्रदर्शनकारियों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए हरियाणा के कई हिस्से में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगा दी गई है। 30 से अधिक किसान संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले पंजाब के किसानों ने घोषणा की थी

किसान विरोध: दिल्ली में भी बिगड़ी व्यवस्था, लोग हुए परेशान

दिल्ली मेट्रो सेवा भी हुई बंद, गाजियाबाद-नोयडा स्टेशन रहे बंद

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 26 नवंबर। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के दिल्ली चलो विरोध मार्च के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी के सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी निगरानी सख्त कर दी। राष्ट्रीय राजधानी के सीमाई इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और आने वाले सभी वाहनों की जांच की जा रही है।

पुलिस ने कहा कि ड्क्षसघू सीमा पर दिल्ली पुलिस ने किसानों द्वारा संचालित ट्रैक्टरों की आवाजाही रोकने के लिए रेत से भरे पांच ट्रकों को खड़ा किया है। यह पहला मौका है जब शहर की पुलिस ने सीमा पर रेत से भरे ट्रकों को तैनात किया है। सुरक्षा के उद्देश्य से ड्रोन भी तैनात किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि सीमा को सील नहीं किया गया है

लेकिन वे राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की जांच कर रहे हैं। सभी चौकियां मुस्तैद हैं। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने 26 और 27 नवंबर को केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन करने के विभिन्न किसान संगठनों के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। किसानों के मार्च को देखते हुए दिल्ली मेट्रो ट्रेनें बृहस्पतिवार को दोपहर दो बजे तक पड़ोसी शहरों से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं को पार नहीं करेंगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने कहा कि इस अवधि में आनंद विहार से वैशाली और न्यू अशोक नगर से नोएडा सिटी सेंटर तक कोई मेट्रो सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। सुल्तानपुर और गुरु द्रोणाचार्य मेट्रो स्टेशनों के बीच बृहस्पतिवार को दोपहर दो बजे तक मेट्रो सेवा उपलब्ध नहीं होगी। हालांकि, इसी अवधि के दौरान हवाई अड्डे और रैपिड मेट्रो लाइनों पर नियमित मेट्रो सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

दिल्ली पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव ने सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया और वहां की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा, कोविड 19 के दिशानिर्देशों के तहत यहां राजनीतिक सभा की अनुमति नहीं है और इसीलिए किसानों के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया था। यदि वे अभी भी प्रयास करते हैं, तो हमने सीमाओं पर जवानों को तैनात किया है ताकि उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश न करने दिया जा सके।

हम पंजाब और हरियाणा पुलिस के संपर्क में भी हैं। असुविधा का सामना कर रहे यात्रियों के बारे में पूछे जाने पर दिल्ली पुलिस प्रमुख ने कहा कि विरोध कर रहे किसानों ने पहले ही राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया है, इसलिए कुछ समस्याएं होने वाली हैं, लेकिन हम इसे यथाशीघ्र सुलझाने की कोशिश करेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में आने के बजाय, उन्हें वापस जाना चाहिए और किसी दिशानिर्देश का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

अब मुंबई जैसे आतंकवादी हमले को अंजाम देना नामुमकिन: राजनाथ सिंह

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि देश ने अपना आन्तरिक और बाह्य सुरक्षा चक्र इतना मजबूत कर लिया है कि एक और मुंबई आतंकवादी हमले को हिंदुस्तान की धरती पर अंजाम देना अब लगभग नामुमकिन है। सिंह ने आज यहां हिन्दुस्तान टाइम्स सम्मिट में 'राष्ट्रीय सुरक्षा का नया युग' विषय पर बोलते हुए कहा कि मुंबई हमले के कारण देश को राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति को बदलना पड़ा था।

उसके बाद से और खासतौर पर पिछले कुछ सालों में देश की सुरक्षा को लेकर कुछ बदलाव किए गए है। उन्होंने कहा, आज हम सभी देशवासियों को यह विश्वास जरूर दिला सकते है, कि अब भारत ने

अपना आन्तरिक और बाह्य सुरक्षा चक्र इतना मजबूत कर लिया है कि एक और 26/11 को हिंदुस्तान की धरती पर अंजाम देना अब लगभग नामुमकिन है। हाल ही में नागरौटा में चार आतंकवादियों के मुठभेड़ में मारे जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की एक और साजिश को नाकाम कर दिया है। पाकिस्तान का भारत के खिलाफ आतंकवाद का मॉडल धीरे धीरे ध्वस्त हो रहा है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के जवाब में बदलाव आया है। अब आतंकवाद के खिलाफ भारत का रेस्पांस एक्शन 360 डिग्री पर हो रहा है।

अब भारत देश की सीमाओं के भीतर तो कार्रवाई कर ही रहा है साथ ही जरूरत पड़ने पर सीमा पार जाकर भी आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने का काम हमारी सेना के बहादुर जवान कर रहे है।

हैवानों ने छीनी मासूमियत, 14 साल की उम्र में मां बनी रेप पीड़िता- HC ने दिए काउंसिलिंग के निर्देश

(विशेष संवाददाता)

नूंह । हरियाणा के मेवात में 14 वर्ष की उम्र में रेप से मां बनी पीड़िता के पुनर्वास के लिए पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने महिला काउंसलर नियुक्त कर काउंसिलिंग के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार जस्टिस अरविंद सिंह सांगवान ने एक आरोपी शकील की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि नाबालिग पीड़िता को अंतरिम मुआवजा दिए जाने पर मेवात और फरीदाबाद की डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसिस अथारिटी फैसला लें। सूत्रों के मुताबिक हाईकोर्ट ने छह माह बाद मई माह में कार्रवाई रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता बहुत ही कम आयु में मां बन गई है। ऐसे में उसके और बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए समय समय पर काउंसिलिंग की जरूरत है, लिहाजा महिला काउंसलर नियुक्त की जाए।

साथ ही आरोपी पक्ष की तरफ से मिल रही धमकियों पर हाईकोर्ट ने मेवात के एसपी को जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं और इस बारे में हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि पीड़ित के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह अस्पताल में उपचाराधीन थे। इसी दौरान उनकी लड़की को बहलाफुसलाकर आरोपी शकील और शमशाद जंगल में ले गए और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपियों ने इस सारी घटना को मोबाइल फोन में भी कैद किया और इसे वायरल भी किया। पीड़िता को इस दौरान डरा धमका कर उसका बार बार रेप किया गया। इस बात का खुलासा तब हुआ जब लड़की की तबीयत खराब हुई और पता चला कि वह चार माह से गर्भवती है। पिता की शिकायत पर फिरोजपुर झिरका पुलिस थाने में एक जून 2020 को एफआईआर दर्ज कर ली गई।

एक राष्ट्र, एक चुनाव आज की जरूरत

कानूनों की भाषा सरल और समझ में आने लायक होनी चाहिए: प्रधानमंत्री

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 26 नवम्बर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के केवडिया में पीठासीन अधिकारियों के 80वें अखिल भारतीय सम्मेलन के समापन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन गांधी जी के प्रेरक विचारों और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिबद्धता को याद करने का है। उन्होंने सन् 2008 में आज ही के दिन हुए मुंबई आतंकी हमले में मारे गए लोगों को भी याद किया। उन्होंने सुरक्षाबलों के शहीदों के प्रति भी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आज भारत एक नये प्रकार के आतंकवाद से संघर्ष कर रहा है। उन्होंने सुरक्षाबलों को भी नमन किया।

आपातकाल का उल्लेख करते हुए, मोदी ने कहा कि 1970 का यह प्रयास सत्ता के विकेन्द्रीकरण के प्रतिकूल था, लेकिन इसका जवाब भी संविधान के भीतर से ही मिला। संविधान में सत्ता के विकेन्द्रीकरण और उसके औचित्य की चर्चा की गई है। आपातकाल के बाद इस घटनाक्रम से सबक लेकर विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका आपस में संतुलन बनाकर मजबूत हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह इसलिए संभव हो सका, क्योंकि 130 करोड़ भारतीयों का सरकार के इन स्तंभों में भरोसा था और यही भरोसा समय के साथ और मजबूत हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान की दृढ़ता समस्याओं से निपटने में हमारी मदद करती है। भारतीय चुनाव पद्धति के लचीलेपन और कोरोना महामारी के प्रति इसकी प्रतिक्रिया से यह साबित हुआ है। उन्होंने संसद सदस्यों की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने हाल के समय में कोरोना के खिलाफ जंग में मदद के लिए अपने वेतन में कटौती स्वीकार कर अपना योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं को लंबित रखने की प्रवृत्ति के खिलाफ आगाह किया। उन्होंने सरदार सरोवर परियोजना का उदाहरण दिया, जो कई वर्षों तक लंबित रही और जिसकी वजह से गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के निवासियों को उन महत्वपूर्ण लाभों से वंचित रहना पड़ा, जो उन्हें इस बांध के अंतत~ निर्मित हो जाने से प्राप्त होने वाले थे। मोदी ने कर्तव्य पालन के महत्व पर जोर दिया और कहा कि कर्तव्य पालन को अधिकारों, गरिमा और आत्मविश्वास बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारक की तरह लिया जाना चाहिए।

एक नजर

ऑनलाइन जुआ पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर याचिका दाखिल

नई दिल्ली। ऑनलाइन जुआ का संचलान करने वाली वेबासाइटों को पूरी तरह से बंद करने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में गुरुवार को याचिका दाखिल की गई। याचिका में कहा गया है कि कई राज्य सरकारों द्वारा कानून बनाकर ऑनलाइन जुआ को प्रतिबंधित कर दिया है, इसके बावजूद धड़ल्ले से कई वेबसाइटों पर यह खेला जा रहा है। अविनाश मेहरोत्रा ने अपनी याचिका में ऑनलाइन जुआ, सट्टा के खेल पर पूरी तरह से देश में प्रतिबंध लगाने की मांग किया है। उन्होंने कहा है कि कानून को पूरी तरह से लागू नहीं किए जाने के कारण ही प्रतिबंधित होने के बाद भी ऑनलाइन जुआ, सट्टा का कारोबार चल रहा है। याचिका में कहा गया है कि ऑनलाइन जुआ पूरी तरह से अनियंत्रित है और देश में हवाला लेनेदेन को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही कहा है कि इसके जरिए विदेशी मुद्रा विनिमय कानून और आयकर कानूनों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। याचिका में आनलाइ जुआ का कारोबार करने वाले साइटों पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही वेबसाइट के संचालकों के टैक्स का रकम भी वसूलने के लिए केंद्र सरकार को आदेश देने की मांग की है।

विधवा महिला के खाते से रुपये उड़ाए

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार में एक विधवा महिला के बैंक खाते से रुपये ट्रांसफर करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पेटीएम, गूगल पे व मोबिवीक में रुपये ट्रांसफर किए हैं। पीड़ित महिला की शिकायत पर मंगलवार को पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पीड़िता 60 वर्षीय सुदेश देवी परिवार के साथ मंडोली विस्तार इलाके में रहती हैं। कुछ समय पहले उनके पति श्रीराम सिंह का निधन हो गया था। उनका एक बैंक खाता मंडोली विस्तार स्थित एक बैंक शाखा में है, जिसमें उनकी पेंशन आती है। उन्होंने अपना बैंक खाता चेक किया तो पता चला कि इस साल 10 सितंबर से 29 सितंबर के बीच उनके खाते से 73,998 रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। सभी रुपये पेटीएम, गगूल पे व मोबिवीक के जरिए यमुना खादर में रहने वाले सूरज सिंह के खाते में ट्रांसफर हुए हैं। सुदेश देवी की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सिलेंडर फटने से लगी भीषण आग, पचास झुग्गी जलीं

नई दिल्ली। कीर्ति नगर इलाके में बुधवार देर रात एलपीजी सिलेंडर फटने से झुग्गियों में आग लग गई। जिससे करीब 50 से अधिक झुग्गियां जलकर राख हो गईं। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार नेहरू कैंप स्थित झुग्गियों में रात करीब साढ़े 12 बजे सिलेंडर फटने से आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकल की 12 गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। यही वजह रही कि आग अन्य इलाकों में नहीं फैल सकी। हालांकि इस दौरान 50 झुग्गियां और उसमें रखा सामान जलकर राख हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिलेंडर फटने के कारण आग तेजी से फैलती चल गई। फिलहाल इस अग्निकांड की वजह से करीब दो सौ लोग बेघर हो गये जिनका स्थानीय पुलिस देखरेख कर रही है। गोविंदपुरी इलाके में गुरुवार तड़के पांच बजे बंद रेस्त्रां में आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। बताया जाता है कि रेस्त्रां में स्थित एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट से यह हादसा हुआ। चूंकि घटना के समय रेस्त्रां में कोई मौजूद नहीं था। दमकल कर्मियों को शटर तोड़कर आग बुझाने के काम में जुटना पड़ा।

किसानों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है: केजरीवाल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवंबर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली आने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों के प्रति अपना समर्थन जताया है। गुरुवार को आम आदमी पार्टी अपना स्थापना दिवस मना रही है। इसी दौरान केजरीवाल ने किसानों का समर्थन किया। साथ ही केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं को कोरोना रोगियों की मदद करने और कोरोना संक्रमण की रोकथाम में मदद करने का आवाहन किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, केंद्र सरकार के तीनों खेती कानून किसान विरोधी हैं। ये कानून वापस लेने की बजाय किसानों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है, उन पर वॉटर कैनन चलाया जा रहा है। किसानों पर ये जुल्म बिलकुल गलत है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन उनका संवैधानिक अधिकार है। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा के किसान, विरोध प्रदर्शन के लिए दिल्ली

आ रहे हैं। गुरुवार को किसानों को दिल्ली में प्रवेश से रोकने के लिए दिल्लीहरियाणा बार्डर पर सुरक्षा बलों की तैनाती और बैरिकेडिंग आदि के सख्त इंतजाम किए गए। दिल्ली कूच में एक लाख किसानों के जुटने का दावा किया जा रहा है। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें रोका गया तो वे दिल्ली जाने वाले सारे रास्ते जाम कर देंगे। हालांकि किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिए गुरुवार को दिल्ली मेट्रो ने भी अपनी सेवाओं में बदलाव किया है। नोएडा, गाजियाबाद समेत एनसीआर के सभी शहरों को जोड़ने वाली लाइनों पर बार्डर के दो स्टेशनों के बीच मेट्रो सेवा दोपहर दो बजे तक बंद रही। आम आदमी पार्टी के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा, आम आदमी पार्टी के 8वें स्थापना दिवस पर आप सभी को बधाई। देश और मानवता इस वक़्त बेहद कठिन दौर में हैं। मेरी हर कार्यकर्ता से अपील है कि, लोगों की खूब मदद करें। मास्क बांटें, बीमार को अस्पताल पहुंचाएं, भूखे को रोटी दें। इस वक़्त कोई राजनीति नहीं। सबको साथ लेकर लोगों की सेवा करें। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, आज आम आदमी पार्टी की काम की राजनीति ने दिल्ली मॉडल की तर्ज पर अन्य राज्य सरकारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर काम करने के लिए प्रेरित किया है। गुरुवार को संविधान दिवस भी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के मार्गदर्शन में तैयार हुआ हमारे भारतीय गणतंत्र का संविधान हमें विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव देता है। हम सभी भारतवासियों को अपने संविधान पर गर्व है। सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

दिल्लीहरियाणा की सीमा पर स्थित ढांसा गांव में भारतीय किसान यूनियन की दिल्ली प्रदेश शाखा के पदाधिकारी बृहस्पतिवार सुबह से ही जुटे हैं। इनके साथ ढांसा व अन्य गांवों के किसान भी हैं। इनका कहना है कि पंजाब से यदि किसानों का जत्था ढांसा बार्डर के रास्ते दिल्ली में प्रवेश करता है तो उनका यहां स्वागत किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन से जुड़े सभी किसान इनका साथ देते हुए जंतर मंतर तक की यात्रा करेंगे। भारतीय किसान यूनियन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डागर ने कहा कि कोविड महामारी को देखते हुए हमें अपनी जिम्मेदारी का अहसास है।

देश में कोरोना संक्रमण के 44 हजार से अधिक नये मामले

नई दिल्ली, 26 नवंबर। देश में दूसरे दिन भी कोरोना संक्रमण के 44 हजार से ज्यादा नये मामले सामने आये और सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर साढ़े चार लाख से अधिक हो गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में 44,489 नये मामले सामने आये और संक्रमितों का आंकड़ा 92.66 लाख हो गया है। नये मामलों के साथ सक्रिय मामले 7598 बढ़े और यह संख्या 4.52 लाख हो गयी। इस दौरान 36,367 मरीज स्वस्थ हुए जिसे मिलाकर कोरोना को मात देने वालों की संख्या अब 86.79 लाख हो गयी है। इसी अवधि में 524 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,35,223 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 4.88 प्रतिशत और रिकवरी दर 93.66 हो गयी है जबकि मृत्यु दर अभी 1.46 प्रतिशत है। कोविड19 से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 1250 बढ़कर अब 85,488 हो गये हैं। राज्य में 65 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 46,748 हो गया है, वहीं अभी तक 16.63 लाख से ज्यादा लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। केरल में स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या 5.11 लाख से अधिक हो गयी लेकिन सक्रिय मामले 695 बढ़कर 65,234 हो गये हैं जबकि 2121 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सक्रिय मामले कम हुए हैं और इसकी संख्या अब 38,287 हो गयी है। पिछले 24 घंटों में यहां 99 लोगों की मौत हुई है और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 8720 हो चुकी है जबकि 4.98 लाख से ज्यादा मरीज अब तक संक्रमणमुक्त हुए हैं। कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 278 बढ़कर 24,909 हो गयी है।

औचक निरीक्षण के दौरान शादी में मिले 50 से अधिक मेहमान, 4 लाख रुपये का चालान

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 26 नवंबर। बुधवार को देवोत्थान एकादशी के अवसर पर दिल्ली में करीब 30 हजार जोड़े शादी के बंधन में बंधे। इस दौरान जिला प्रशासन की इंफोर्समेंट टीम बैंक्वेट हॉल, सामुदायिक भवन, वाटिका का औचक निरीक्षण कर यह सुनिश्चित कर रही थी कि कहीं 50 से अधिक मेहमान तो नहीं।

दक्षिणपश्चिमी जिला प्रशासन के अंतर्गत कापसहेड़ा और द्वारका सबडिवीजन की बात करें तो यहां सात बैंक्वेट हॉल का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें छह जगहों पर नियम का उल्लंघन पाया गया। इंफोर्समेंट टीम ने यहां कुल ढाई लाख रुपये का चालान काटा। द्वारका एसडीएम पंकज कुमार गुप्ता व तहसीलदार भूप सिंह के नेतृत्व में मधु विहार सोलंकी चैक पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में नियम का उल्लंघन होने पर हॉल के मालिक के खिलाफ इंफोर्समेंट टीम ने एक लाख 20 हजार रुपये का चालान जारी किया गया। पर चालान की रकम का भुगतान न करने पर पंकज कुमार ने मालिक के खिलाफ डाबड़ी थाने में शिकायत दी और 188 धारा के तहत मामला दर्ज करने का आवेदन किया। वहीं कपासहेड़ा सबडिवीजन के एसडीएम मुकेश रजौरा ने बताया कि हमारा मूल उद्देश्य है कि बैंक्वेट हॉल में एक समय में 50 से अधिक मेहमान न हो। आयोजकों ने नियम को बनाए रखने के लिए आयोजन के समय को बढ़ा दिया है और मेहमानों को समय दिया है ताकि वे उस निर्धारित समय में आकर समारोह का हिस्सा बन सके। अच्छी बात ये है कि नियम का पालन सुनिश्चित हो रहा है और आयोजक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका अदा कर रहे है। वहीं नजफगढ़ सबडिवीजन की बात करें तो यहां 20 बैंक्वेट हॉल व वाटिका का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें चार जगहों पर नियम का उल्लंघन पाया गया। चारों जगहों पर कुल चालान एक लाख 80 हजार रुपये का चालान काटा गया। एसडीएम विनय कौशिक ने बताया कि आयोजन में केवल मेहमानों की संख्या पर इंफोर्समेंट टीम का अधिक गौर है। इसके अलावा आयोजन स्थल के गेट पर सैनिटाइजर की व्यवस्था जरूरी है ।

वायु प्रदूषण की रोकथाम के मद्देनजर निगम ने कांटे 125 चालान

नई दिल्ली, 26 नवंबर। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए विभिन्न क्षेत्र में निरीक्षण कर निर्माण गतिविधियो के कारण उत्पन्न प्रदूषण और प्रदूषण फैला रही इकाइयों के खिलाफ कार्यवाही की। 26 नवबंर 2020 के प्राप्त आंकडों के अनूसार पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने खुले में अवैध रूप से कूड़ा डालने पर 89 चालान, खुले में अवैध रूप से मलबा डालने के लिए 13 चालान किये, निर्माण कार्य से होने वाले प्रदूषण के लिए 18 चालान, निर्माण एवं स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए 5 चालान किए हैं। इस प्रकार पूर्वी निगम द्वारा कुल 125 चालान किए। पूर्वी निगम द्वारा वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतू की गई सकारात्मक कार्रवाई के अन्तर्गत निगम क्षेत्र से 26 नवबंर 2020 को 680 मीट्रिक टन मलबा हटाया गया है तथा 400 किलोमीटर मैकेनिकल रोड़ स्वीपिंग का कार्य किया गया है। इसके अलावा अत्याधुनिक वाटर स्प्रींकलर के द्वारा लगभग 740 किलोमीटर सड़कों पर पानी का छिड़काव भी किया गया है।

गोपाल राय को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, हालत स्थिर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 26 नवंबर। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय को कोरोना संक्रमित होने के बाद इलाज के लिए मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। पर्यावरण मंत्री के ऑफिस द्वारा यह जानकारी दी गई है। गोपाल राय ने एक ट्वीट में कहा कि शुरुआती लक्षण दिखने के बाद उन्होंने जांच कराई जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। पर्यावरण मंत्री ने हाल ही में अपने संपर्क में आने वाले सभी लोगों से अपनी जांच कराने का आग्रह किया है। जानकारी के अनुसार, गोपाल राय की कोविड19 जांच में गुरुवार को उनके कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। संक्रमण का शिकार होने वाले वह दिल्ली सरकार के तीसरे मंत्री हैं। इससे पहले उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी संक्रमित हो चुके हैं। एक अधिकारी ने बताया कि राय ने दिवाली पर पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की थी। तबीयत ठीक न होने के चलते गोपाल

राय, सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुए थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा कोविड19 की स्थिति पर 19 नवंबर को बैठक बुलाई गई थी। दिल्ली में कोरोना के नए मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक रहने से एक्टिव मामलों में कमी आई है। बुधवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली में 24 घंटों के दौरान 5246 नए मामले सामने आए। वहीं इस दौरान कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 5361 रही, जबकि 99 और लोगों की मौत होने से मृतकों का कुल आंकड़ा 8720 तक पहुंच गया। हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, राजधानी में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,45,787 हो गई है। वहीं स्वस्थ होने वालों की संख्या 4,98,780 हो गई है और एक्टिव मामलों की संख्या 38,227 रह गई है। राजधानी में बुधवार को 26,080 आरटीपीसीआर टेस्ट और 35,698 रैपिड एंटीजन टेस्ट किए गए। अभी तक कुल 59.76 लाख से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है। दिल्ली में प्रति दस लाख लागों में से 3,14,549 लोगों के नमूनों को परीक्षण किया जा रहा है।

कांग्रेस ने कभी बाबा साहेब को याद नहीं किया: आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, 26 नवंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में संविधान दिवस मनाया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इस दौरान आदेश गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस कभी बाबा साहेब को याद नहीं किया।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए आदेश गुप्ता ने कहा कि भारत का संविधान नागरिकों के न्याय देने, समता और रक्षा के लिए है। हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज के दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। साथ ही संविधान निर्माता बाबा साहेब के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ के तौर पर संरक्षित किया। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों के बाद कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन किया लेकिन कभी बाबा साहब को याद नहीं किया।

उन्होंने बताया कि संविधान का निर्माण प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में गठित संविधान सभा की प्रारूप समिति ने 141 बैठकों के बाद तैयार हुआ। संविधान में मौलिक सिद्धांत, अधिकार सरकार और नागरिकों के कर्तव्य का जिक्र है।

प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग का लगातार प्रयास ला रहा रंग, बाजारों में कम हुआ संक्रमण दर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 26 नवंबर। दशहरा, दीवाली, भाई दूज व छठ पूजा की खरीदारी के चलते बीते दिनों बाजारों में बढ़ी चहलपहल ने कोरोना संक्रमण दर को बढ़ाकर प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी थी। पर राहत की बात ये है कि अब संक्रमण दर धीरेधीरे कम होने लगा है।

उम्मीद है कि नवंबर माह के अंत तक संक्रमण दर और भी कम हो जाएगा। इसके लिए बाजारों में फिलहाल लगातार कोरोना जांच, कंटेनमेंट जोन बनाने व जागरूकता कार्यक्रम को जारी रखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक दक्षिणपश्चिमी जिले में दीवाली व छठ पूजा के दौरान संक्रमण दर जहां 13 फीसद था, वह अब यह गिरकर करीब सात फीसद

पर पहुंच गया है। पश्चिमी जिले की बात करें तो यहां संक्रमण दर 14 फीसद से कम होकर फिलहाल सात फीसद पहुंच गया है। ज्ञात हो रक्षाबंधन के दौरान भी बाजारों में भीड़भाड़ भरा माहौल के बाद संक्रमण दर में एकाएक इजाफा दर्ज किया गया था। भले ही प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग फिलहाल संक्रमण के प्रसार पर रोकथाम में सफल साबित हो रहा है, लेकिन क्रिसमस व नए साल के रूप में एक नई चुनौती दस्तक देने वाली है। ऐसे में जरूरी है कि प्रशासन अपने मौजूदा सख्त मिजाज को अख्तियार रखे। दशहरे के बाद धनतेरस व दीवाली की खरीदारी के चलते क्षेत्र के सभी बाजारों में लोगों की बढ़ी भीड़ के बीच स्वास्थ्य विभाग के नियम तार तार होते हुए नजर आने लगे थे। जिसके कारण कई दुकानदार व उनके यहां कार्यक्रम कर्मचारी संक्रमण की चपेट में आ गए ।

स्वास्थ्य कमेटी की चेयरमैन ने स्वामी दयानंद अस्पताल का किया दौरा

नई दिल्ली, 26 नवंबर (वेबवार्ता)। पूर्वी दिल्ली नगर निगम की स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष कंचन महेश्वरी ने आज दिलशाद गार्डन स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनी खेडवाल और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। स्वामी दयानंद अस्पताल में जल्द ही एक ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन किया जाएगा। सुश्री महेश्वरी ने कहा है कि दिल्ली सरकार की ओर से फंड ना मिलने के बावजूद निगम का स्वामी दयानंद अस्पताल मरीजों की हरसंभव सेवा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पूर्वी दिल्ली के जीटीबी अस्पताल और राजीव गांधी अस्पताल में कोविड के अलावा अन्य विभागों की सेवा सीमित किए जाने से स्वामी दयानंद अस्पताल पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। अस्पताल के महिला प्रसूति विभाग द्वारा जहां पहले औसतन रोजाना 20 से 30 डिलीवरी की जा रही थी अब यह आंकड़ा 50 के पार जा पहुंचा है। सुश्री महेश्वरी ने कहा कि दिल्ली सरकार साजिशन निगम के अस्पताल की स्थिति बिगाड़ने में लगी है ताकि बहानेबाजी से निगम के अस्पताल को कब्जाया जा सके। सुश्री महेश्वरी ने अस्पताल प्रशासन से अन्य समस्याओं पर भी चर्चा की और उनके यथीशीघ्र समाधान का भरोसा दिया। सुश्री महेश्वरी ने विषम परिस्थियों में भी अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे निगम अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ का धन्यवाद अदा किया।

केजरीवाल सरकार को HC का सुझाव नियम तोड़ने पर कैश न लिया जाए जुर्माना

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 26 नवंबर। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच आम आदमी पार्टी सरकार ने शारीरिक दूरी और मास्क नहीं लगाने समेत 5 गलतियों पर 2000 रुपये जुर्माने का प्रावधान किया है। इस पर बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी सरकार से कहा कि जुर्माना वसूले जाने के दौरान लोगों से नकद पैसे नहीं लिए जाएं, बल्कि दूसरे जरिये मसलन इलेक्ट्रिक ट्रांजैक्शन करवाया जाए। इसके लिए एक पोर्टल भी बनाया जाए। वहीं, मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम2019

के तहत चालान काटने की व्यवस्था को मनमाना एवं दोषपूर्ण बताते हुए एक अधिवक्ता ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता सोनाली करवासरा ने कहा है कि उचित और विश्वसनीय तकनीक के बिना ही चालान काटे जा रहे हैं। यातायात उल्लंघन की निगरानी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक का उच्चीकृत करने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि यातायात उल्लंघन का पता लगाने के लिए अधिकारियों द्वारा उपयोग की जाने वाली पुरानी तकनीकों के कारण इस अधिनियम को कुशलतापूर्वक लागू करने में कई अड़चन है। उन्होंने याचिका में कहा कि ऐसे उदाहरण हैं जहां दोषपूर्ण उपकरणों के कारण भारी जुर्माना जारी किया गया है और फिर जुर्माना रद भी करना पड़ा। उन्होंने कहा कि अगस्त से 10 अक्टूबर 2019 के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार के लिए यातायात विभाग द्वारा किए गए चालान में से 1.57 लाख से अधिक चालान रद किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने यातायात नियमों के उल्लंघन की निगरानी के लिए स्थापित की जा रही तकनीक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

सिनेमा हॉल खुलने के डेढ़ माह बाद भी नहीं लौटे दर्शक, 80% थिएटर्स खाली

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली दिल्ली में सिनेमाहॉल खुलने के आदेश भले ही हो गए हैं, लेकिन सिनेमा घरों से दर्शकों की भीड़ नदारद है। नई फिल्में रिलीज नहीं हो रही हैं। पुरानी फिल्में देखने दर्शक नहीं आ रहे हैं। ऐसे में सिनेमा घर मालिकों के सामने बड़ा आर्थिक और व्यापारिक संकट खड़ा हो गया है। दिल्ली में सिनेमा घरों में लगभग 80 प्रतिशत शो कम हो गए हैं। जो शो चल रहे हैं उनमें न के बराबर दर्शक पहुंच रहे हैं। सिनेमा मालिकों के सामने ओटीटी प्लेटफार्म भी एक बड़ी चुनौती बनकर खड़े हुए हैं। कोविड लॉकडाउन के बाद बड़े सितारों की ज्यादातर फिल्में ओटीटी प्लेटफार्म पर रीलीज हुई हैं। दिल्ली में सिंगल स्क्रीन सिनेमा (गगन) के संचालक और बड़े

फिल्मों के बड़े डिस्ट्रीब्यूटर जोगिंदर महाजन ने बताया कि सिनेमा हॉल चलाने का खर्चा काफी अधिक है। बिजली के बिल, लड़कों के सैलरी और पूरे सिनेमा हॉल का रखरखाव करने में काफी खर्चा आता है। ऐसे में जब तक बड़े सितारों की फिल्में नहीं आती हैं, तब तक सिंगल स्क्रीन थियेटरों को चालू रखना बड़ी चुनौती है। महाजन ने बताया कि दिल्ली में जो बड़े सिनेमा ग्रुप हैं उन्होंने अपने कई सिनेमा हॉल अभी चालू नहीं किए हैं। पुरानी दिल्ली के मशहूर डिलाइट सिनेमा के सीईओ राजकुमार मेहरोत्रा ने बताया कि दर्शकों को सिनेमा घरों तक लाने के लिए टिकटों के रेट में 20 प्रतिशत तक की कमी की गई है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में रीलीज हुई फिल्म सूरज पे मंगल भारी देखने जरूर दर्शक आए हैं।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

एक नजर

पेटीएम भुगतान का फर्जी मैसेज भेज ठगने वाले पकड़े

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार में मंगलवार को एक दुकानदार ने भुगतान में फर्जीवाड़ा करने वाले दो युवकों को धर दबोचा। आसपास के लोगों ने दोनों की पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों युवक खरीदारी के बाद बिल का भुगतान नहीं करते थे। बल्कि, अपने वीआईपी मोबाइल नंबर से पेटीएम भुगतान का एक फर्जी मैसेज लिखकर दुकानदार के मोबाइल पर भेज देते थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पहले भी दुकानदार से इस तरह की वारदात कर चुके थे। पकड़े गए आरोपी आशीष जैन व रूपेश से पूछताछ कर मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित 32 वर्षीय योगेश गोयल परिवार के साथ सोनिया विहार में रहते हैं। वह किराने की थोक दुकान चलाते हैं। मंगलवार शाम को दो युवक उनकी दुकान पर खरीदारी करने आए। युवकों ने 6633 रुपये की खरीदारी की। इसके बाद एक युवक कहने लगा कि वह 2163 रुपये का पेटीएम से भुगतान करेगा, बाकी का कैश देगा। वह पेटीएम से भुगतान करने लगा। इस दौरान योगेश के मोबाइल पर एक वीआईपी नंबर से 2163 रुपये पेटीएम से भुगतान होने का मैसेज आया। कुछ शक हुआ तो उन्होंने बैलेंस चेक किया। उनके खाते में रुपये नहीं आए थे। तभी उन्हें याद आया कि इसी साल 27 सितंबर को उनके साथ इसी तरह से 8790 रुपये की ठगी हुई थी।

सरकारी नौकरी के नाम पर लोगों को ठगने वाली महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। बेरोजगारों को सरकारी नौकरी के नाम पर ठगने वाली महिला को पुलिस ने बुधवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। सरिता विहार के पॉकेट सी स्थित आरोपित महिला के घर पुलिस पहुंची तो उसने खूब हंगामा किया, लेकिन आखिर में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित महिला और पीड़ितों के पास से सिविल डिफेंस और दिल्ली पुलिस के मोनोग्राम के साथ बने हुए 11 आइडी कार्ड भी बरामद किए गए। पीड़ित सुनंदा राउत ने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें सुबह सात बजे विशाखा गुलाटी के घर बुलाया था। इसके बाद घर में अंदर जाने से लेकर आरोपित की गिरफ्तारी तक ढाई घंटे का समय लगा। सुनंदा ने बताया कि जब आरोपित को गिरफ्तार किया गया था तो पुलिस टीम ने वहां मौजूद कागजात और लैपटाप जब्त नहीं किए थे। पुलिस टीम उनको लेकर दोबारा विशाखा के घर पहुंची तो वहां पर विशाखा का लैपटॉप, कागजात और अन्य सामान गायब हो गया। इस दौरान वहां पर काम करने वाला कर्मचारी भी गायब था। पीड़ितों को फर्जी नियुक्ति पत्र सरिता विहार एसडीएम पीआर कौशिक के फर्जी हस्ताक्षरों के साथ मिले थे, लेकिन पत्रों को नोएडा सेक्टर 16 के पोस्ट ऑफिस से भेजा गया था। पीड़ितों से अलग अलग कार्यालयों में काम कराया गया ऐसे में उन सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारी भी इस मामले में संलिप्त हो सकते हैं।

किसानों के हक में दिल्ली पहुंचे पंजाब के दो विधायक गिरफ्तार

गुरुद्वारा बंगला साहिब के बाहर से हुई धरपकड़, जा रहे थे संसद मार्ग

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवम्बर । केंद्र सरकार द्वारा पास किए गए कृषि बिलों के खिलाफ शुरू हुए किसान आंदोलन की तपिस राजधानी दिल्ली तक पहुंच गई है।

पंजाब के पूर्व नेता विपक्ष परमिंदर सिंह ढींढसा तथा सुखपाल सिंह खैहरा (दोनों विधायक) आज गुरुद्वारा बंगला साहिब से अपने साथियों के साथ संसद मार्ग की ओर कूच करने के लिए निकले थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उनको जंतर मंतर से पहले दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों विधायकों को पुलिस ने बस में भरकर दिल्ली से बाहर भेज दिया। इसके साथ ही गुरुद्वारा मजंनू टीला साहिब में रुके हुए अमृतसर से आए कुछ किसानों (महिलाएं भी शामिल) को बुधवार रात को दिल्ली पुलिस ने अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस की तरफ से वीरवार को पूरी कोशिश की गई कि गुरुद्वारों में पंजाब से आए किसान ना रूकने पाएं। यही कारण है कि दिल्ली पुलिस ने बाकायदा गुरुद्वारा बंगला साहिब की कार पार्किंग को हनुमान रोड वाले रास्ते को बंद करा दिया। किसी भी यात्री को पार्किंग में गाड़ी ले जाने की इजाजत नहीं दी गई।

इसके अलावा गुरुद्वारा मोतीबाग साहिब की कार पार्किंग भी बंद करवा कर दी गई है। कुल मिलाकर दिल्ली पुलिस एहतियात बरत रही है, कि कहीं गुरुद्वारों में पंजाब के किसान आकर शरण लेने के बाद राष्ट्रपति भवन या संसद भवन के आगे ना पहुंच जाएं। बता दें कि दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने दो दिन पूर्व ऐलान किया था कि किसानों के दिल्ली में ठहरने एवं खानेपीने का इंतजाम दिल्ली कमेटी करेगी। इसी को देखते हुए दिल्ली के सभी प्रमुख गुरुद्वारे एवं कार पार्किंग दिल्ली पुलिस की राडार पर रहे। आज दिल्ली पहुंचने वाले पंजाब के सियासी नेताओं में से परमिंदर सिंह ढींढसा और सुखपाल सिंह खैहरा के अलावा और कोई बड़ा सियासी नेता नहीं पहुंच पाया। यहां तक कि केंद्रीय कैबिनेट से इस्तीफा देकर भाजपा से गठबंधन तोड़ने वाले शिरोमणि अकाली दल भी किसानों के हक में दिल्ली पहुंचने में सफल नहीं हो पाया। दिन भर दिल्ली पुलिस सरगर्म रही कि किसी तरह से लुटियन जोन में किसान जमा ना हो जाएं।

वहीं दिल्ली कमेटी के अकाली नेताओं ने भी किसानों के बारे में अपनी बयानबाजी करके अपनी जिम्मेदारी निभा ली।

बलप्रयोग से नहीं डरता किसान, अपना हक लेकर रहेगा: सिरसा

नई दिल्ली, 26 नवंबर : दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा है कि हरियाणा सरकार ने किसानों के शांतिपूर्वक प्रदर्शन के अधिकार को रोक कर भारत के संविधान को शर्मसार किया है। सिरसा ने कहा कि आज संविधान दिवस है और आज के दिन भारत ने अपने संविधान को अपनाया था जिसमें सब को अपनी बात रखने का बराबर अधिकार दिया हुआ है पर यह बहुत ही शर्म की बात है कि हरियाणा की सरकार ने हरियाणा पुलिस के माध्यम से किसानों को अपनी आवाज़ रखने से रोका, उन पर लाठी बरसाई, आंसू गैस के गोले छोड़े व पानी की तेज़ बौछारों से हमले किये। सिरसा ने कहा कि आज के दिन जो हरियाणा की सरकार ने किया उससे 1982 का इतिहास दोहराया गया है। 1982 में उस वक्त इंदिरा गांधी के कहने पर भजन लाल ने हरियाणा के मुख्य मंत्री होते हुए प्रकाश सिंह बादल की अगुवाई वाले जत्थे को दिल्ली आकर केन्द्र के खिलाफ प्रदर्शन करने से रोकने का असफल प्रयास किया था।

दिल्ली हिंसा: पुलिस को कबूलनामा लीक होने की जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । उच्च न्यायालय ने दिल्ली हिंसा से जुड़े मामले में गिरफ्तार जामिया विश्वविद्यालय के एक छात्र का पुलिस के समक्ष दिया गया इकबालिया बयान मीडिया में लीक होने के आरोपों की जांच से संबंधित रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने इस बारे में उठाए जाने वाले अगले कदम की भी जानकारी देने को कहा है।

जस्टिस विभु बाखरू ने यह आदेश तब दिया, जब दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अधिवक्ता अमित महाजन ने कहा कि केस डायरी से आरोपी का इकबालिया बयान (कबूलनामा) लीक होने के मामले की सतर्कता जांच पूरी हो गई है। महाजन ने यह जानकारी देते हुए रिपोर्ट पेश करने के लिए न्यायालय से वक्त देने की मांग की थी।

उच्च न्यायालय ने जामिया विश्वविद्यालय के छात्र आसिफ इकबाल तन्हा की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याचिका में पुलिस पर उसका बयान मीडिया में लीक होने के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। तन्हा की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने न्यायालय से कहा कि दस्तावेजों के लीक होना यह संज्ञेय अपराध है। उन्होंने कहा कि इस बारे में दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में पूछे जाने के अलावा लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ समुचित कार्रवाई की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि मीडिया संस्थानों द्वारा ऐसे दस्तावेज मीडिया में लाया जाना कार्यक्रम संहिता का उल्लंघन है। अग्रवाल ने इस बारे में लिखित बयान दाखिल करने के लिये समय मांगा है। इसके साथ ही न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 18 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी।

नगारिकता संशोधन कानून और एनआरसी के विरोध को लेकर उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा में 53 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक घायल हुए।

आतंकवादी हमलों को स्वीकार नहीं करेगा नया भारत: मुरलीधरन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । भारत अपने सभी पड़ोसियों के साथ मित्रता का भाव रखता है, लेकिन भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नया भारत अपनी सरजमीं पर आतंकवादी हमलों को स्वीकार नहीं करेगा। यह विचार विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने गुरुवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आइआइएमसी) के सत्रारंभ समारोह2020 के चैथे दिन व्यक्त किए।

भारतीय विदेश नीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन विषय पर बोलते हुए मुरलीधरन ने कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हुए आतंकी हमले की बरसी है। हमारे एक पड़ोसी देश ने संवाद के तौर पर स्वेच्छा से आतंकवाद को अपनाया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर भारत की समान प्रक्रिया ने उन देशों के बारे में हमारी नीति को बेहतर तरीके से उजागर किया है, जो आतंकवाद को अपनी विदेश नीति के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। हमने स्पष्ट कर दिया है कि नया भारत आतंकवादी हमलों को चुपचाप नहीं झेलता रहेगा।

विदेश नीति में मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए मुरलीधरन ने कहा कि विदेश में भारत की सही तस्वीर प्रस्तुत करना मीडिया की जिम्मेदारी है। पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। कई बार खबरों में भारत की गलत तस्वीर पेश की जाती है। इसलिए मीडिया के साथी रिपोर्टिंग करते वक्त तथ्यों और आंकड़ों का ध्यान अवश्य रखें। वहीं, कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डिजिटल और सोशल मीडिया लोकतंत्र का उभरता हुआ पांचवा स्तंभ विषय पर बोलते हुए माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के डायरेक्टर (लोकेलाइजेशन) बालेंदु शर्मा दाधीच ने कहा कि कुछ लोग डिजिटल मीडिया को लोकतंत्र के चैथे स्तंभ का हिस्सा मानते हैं, तो कुछ लोग इसे लोकतंत्र का पांचवा स्तंभ कहते हैं। लेकिन मेरे हिसाब से 'मीडिया' नहीं, बल्कि सूचना लोकतंत्र का चैथा स्तंभ है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने आज एक नई क्रांति की है। सूचना एवं तकनीक के युग में आज प्रत्येक व्यक्ति एक मीडिया संस्थान है।

पटकथा लेखक और स्तंभकार अद्वैता काला ने कहा कि आज पूरा विश्व न्यू मीडिया का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट पर सब कुछ एक क्लिक पर उपलब्ध है, आज आपको खबरों के लिए अखबार या पत्रिकाओं का इंतजार नहीं करना पड़ता। यही डिजिटल मीडिया की ताकत है। समारोह के पांचवे और अंतिम दिन शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन समेत अन्य प्रमुख हस्तियां विद्यार्थियों से रूबरू होंगी।

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर आग को लेकर निगम आयुक्त को समन जारी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली विधानसभा की पर्यावरण समिति की चेयरपर्सन आतिशी ने कहा है कि पर्यावरण समिति ने गाजीपुर लैंडफिल साइट पर आग लगने के संबंध में पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त को समन किया है। पड़ोसी राज्यों में कुछ दिनों से पराली जलना कम होने से दिल्ली की हवा साफ होने लगी है, लेकिन गाजीपुर लैंडफिल साइट पर भीषण आग लगने से आसपास के इलाकों में प्रदूषण बहुत बढ़ गया है।

समिति एमसीडी के कमिश्नर से साइट पर आग लगने की वजह और पूर्वी दिल्ली में कूड़े का प्रबंधन ठीक क्यों नहीं हो रहा है, यह जानने का प्रयास करेगी। पर्यावरण समिति गाजीपुर लैंडफिल साइट पर भी जाएगी और आग कैसे लगी, उसके लिए कौन जिम्मेदार है, यह समझने की कोशिश करेगी। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली विधानसभा की पर्यावरण समिति के चेयरपर्सन आतिशी ने एक बयान जारी कर कहा कि अक्तूबर और नवंबर में दिल्ली में प्रदूषण स्तर बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने की वजह से दिल्ली की आबोहवा में इतना प्रदूषण होता है कि दिल्ली वाले सांस नहीं ले पाते हैं।

पिछले 5 से 6 दिनों से, जबसे पराली जलनी कम हुई है, तब से दिल्ली की हवा भी साफ हो गई है, लेकिन कल पूर्वी दिल्ली में जो गाजीपुर लैंडफिल है, जो एक कूड़े का पहाड़ है, जहां पर ईस्ट एमसीडी अपने इलाके का सारा कचरा डालती है, वहां पर भीषण और भयंकर आग लगी है, उस आग के कारण पूर्वी दिल्ली और आसपास के इलाकों में काफी धुंआ हुआ। इसकी वजह से इलाके में एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी बढ़ गया और हवा में बहुत ज्यादा प्रदूषण हो गया है।

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने 26/11 को इस्लामिक आंतकवाद विरोधी दिवस के रुप में मनाया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में पाकिस्तानी आतंकवादियों से मुकाबले के दौरान शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों एवं देश विदेश के नागरिकों को आज हमले के 12 वर्ष पूरे होने पर अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी । यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने आज 26/11को इस्लामिक आंतकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया। संगठन ने शाहदरा मुख्य चैक के निकट इस्लामिक आंतकवाद के विरुद्ध प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रकट किया।

इस अवसर पर बोलते हुए संगठन के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जयभगवान गोयल ने कहा कि समय आ गया है कि विश्व में इस्लामिक आंतकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सभी देश एकजुट हो जाएं। इस्लामिक आंतकवाद से विश्व का कोई देश अछूता नहीं बचा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया इस्लामिक आंतकवाद की भर्त्सना कर रही है लेकिन हिंदुस्तान में मुस्लिम वोटो के भूखे राजनीतिक दल उन्हें सरंक्षण एवं समर्थन देने में लगे हैंद्य ऐसे तत्वों को भी सबक सिखाने की जरूरत है। गोयल ने 26/11 हमले के दौरान मारे गए आंतकवादीयों के लिए पाक सरकार के इशारे पर पाकिस्तानी पंजाब के साहिवाल में श्रद्धांजलि सभा के आयोजन की कड़ी भर्त्सना की तथा कहा कि भारत को एक और बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक करके पाक में चल रहे आंतकवाद प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट करना चाहिए क्योंकि इतिहास गवाह है कि पाक प्यार की भाषा समझने वाला नहीं। इस अवसर पर सर्व धर्मेन्द्र बेदी, राहुल मनचंदा, शंकर लाल , शिव कुमार शर्मा, अवध कुमार, पप्पु बंसल, श्रीमति सुमन शर्मा आदि उपस्थित थे।

डीएसजे के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी को लेकर छात्र परेशान

नई दिल्ली, 26 नवंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओपन बुक परीक्षा को लेकर छात्रों के बीच नाराजगी है। अब दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे) के लगभग एक दर्जन छात्रों के परीक्षा परिणाम में त्रुटि है। छात्रों का कहना है कि इससे उनको आगे दाखिला लेने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षा ओपन बुक के माध्यम से ऑनलाइन ली थी, जिसके परीक्षा परिणाम आने के बाद डीएसजे के ज्यादातर छात्रों को फेल किया गया है या फिर उनको अनुपस्थित दिखा गया है। जिसके कारण छात्र परेशान है। छात्रों का आरोप है कि हमने ओपन बुक परीक्षा के माध्यम से घर बैठे ही ऑनलाइन परीक्षा दी थी, जिसके अनुसार किसी भी छात्र के फेल होने का औचित्य ही नहीं उठता। लेकिन डीयू प्रशासन की नाकामी के कारण हमको फेल कर दिया गया। डीएसजे के छात्र मोहम्मद अली का कहना है कि डीयू द्वारा आयोजित ओपन बुक एग्जाम मॉक टेस्ट में भी फेल हुआ था और अब परीक्षा के बाद भी विफल ही साबित हुआ है। जिस तरीके से डीएसजे के लगभग एक दर्जन छात्रों को परीक्षा में शून्य अंक दिए गए हैं वह बिल्कुल यकीन करने लायक नहीं है। जिन छात्रों की पहले 5 सेमेस्टर में एक भी विषय में ईआर नहीं उनको 6 सेमेस्टर में शून्य अंक मिले हैं तथा 6 में से 5 सब्जेक्ट में फेल किया गया है। मोहम्मद अली का कहना है कि दो छात्रों का तो परीक्षा परिणाम ही नहीं आया है। डीयू ने इसकी शिकायत की जो प्रक्रिया बताई है वह काफी लंबी है और उसमें समय लग रहा है। डीयू के परीक्षा विभाग ने इस तरह की समस्या आने पर समाधान निकाला है।

कोरोना मरीज को ECMO सपोर्ट के साथ नेपाल से दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया, बची जान

नई दिल्ली । ईसीएमओ मरीजों के इलाज में लगातार प्रगति देखने को मिल रही है। मेकेनिकल वेंटिलेटर और लाइफ सपोर्ट ईसीएमओ मशीन की मदद से मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने नेपाल के 37 वर्षीय कोरोना पॉजिटिव मरीज की जान बचाई। मरीज को इलाज के लिए दिल्ली ले जाना जरूरी था, इसलिए उसे नेपाल से एयरलिफ्ट किया गया। मरीज, अभिषेक कुमार अग्रवाल की रिपोर्ट में एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम का पता चला, जिसके बाद डॉक्टरों की एक टीम एयरक्राफ्ट की मदद से काठमांडू आयी और उसे तुरंत वीवी ईसीएमओ सपोर्ट पर रखा गया। यह पहला ऐसा मामला है, जहां मरीज को ईसीएमओ सपोर्ट के साथ एयरलिफ्ट किया गया। ईसीएमओ या एक्स्ट्राकोरपोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजिनेशन एक लाइफ सपोर्ट मशीन है, यह मशीन मरीज के शरीर से खून को पंप करके कृत्रिम फेफड़ों तक पहुंचाता है, जिससे वहां ऑक्सीजन की कमी पूरी होती है और कार्बन डायऑक्साइड निकल जाती है। साकेत स्थित मैक्स अस्पताल के कार्डियोवस्कुलर सर्जरी विभाग के हार्ट ट्रांसप्लान्ट और वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइसेस के डायरेक्टर, डॉ. केवल कृषण ने बताया कि, मरीज लगभग एक महीने से बुखार से जूझ रहा था। शुरुआत में घर पर ही इलाज हुआ लेकिन फिर उसे सांस लेने में मुश्किल होने लगी। जिसके बाद कोरोना का पता चला। उसे काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन शरीर में ऑक्सीजन का स्तर लगातार गिरता जा रहा था। तभी मरीज के परिवार वालों ने हमसे बात की, जिसके बाद हम तुरंत काठमांडू पहुंचे और उसे वीव ईसीएमओ सपोर्ट पर रखा। हम उसकी नियमित रूप से जांच कर रहे थे और जरूरत के अनुसार इलाज की प्रक्रिया में भी बदलाव कर रहे थे।

मरीज को वीवी ईसीएमओ सपोर्ट के साथ कार्डियोथोरेसिस इन्टेंसिव केयर यूनिट में भर्ती किया गया। इसके साथ आई/वी एंटीबायोटिक्स की शुरुआत भी की गई। रोडियोलॉजी इमेजेस से पता चला की उसके बाएं फेफड़े में न्यूमोथोरैक्स था, यह जल्दी ही पूरी तरह खराब होने वाला था। ड्रेनेज के लिए सीने के बाईं तरफ ट्यूब लगाई गई और एंटीबायटिक्स में भी जरूरत अनुसार बदलाव किए जा रहे थे। सीटी पल्मोनेरी एंजियोग्राफी से नॉर्मल रिपोर्ट मिली और एचआरसीटी से पता चला कि बायां फेफड़ा भी रिकवर कर रहा है।

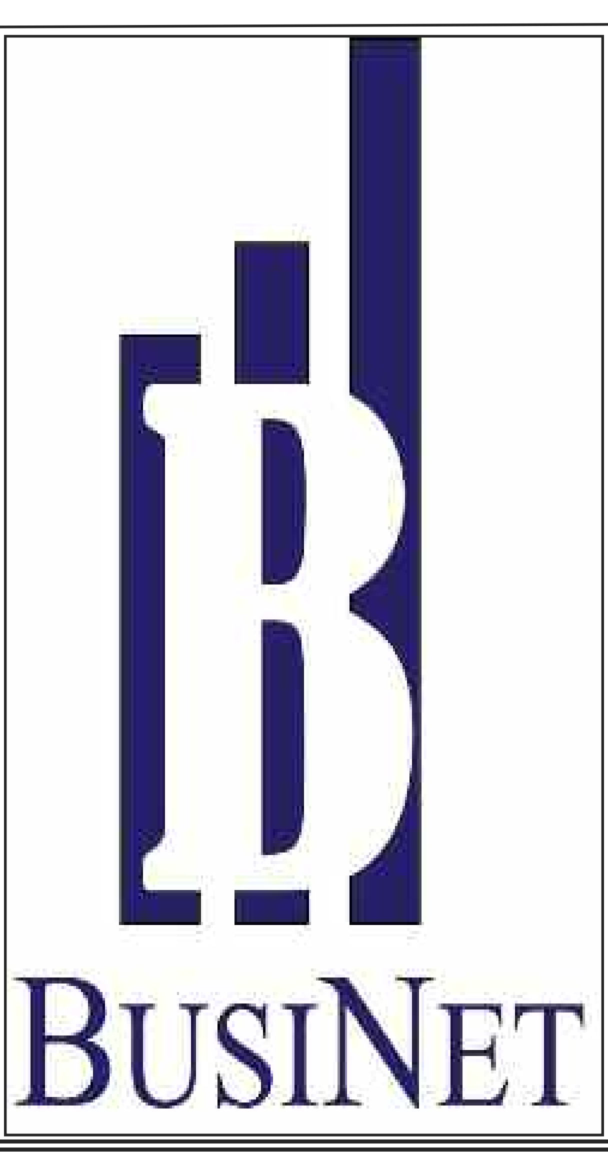

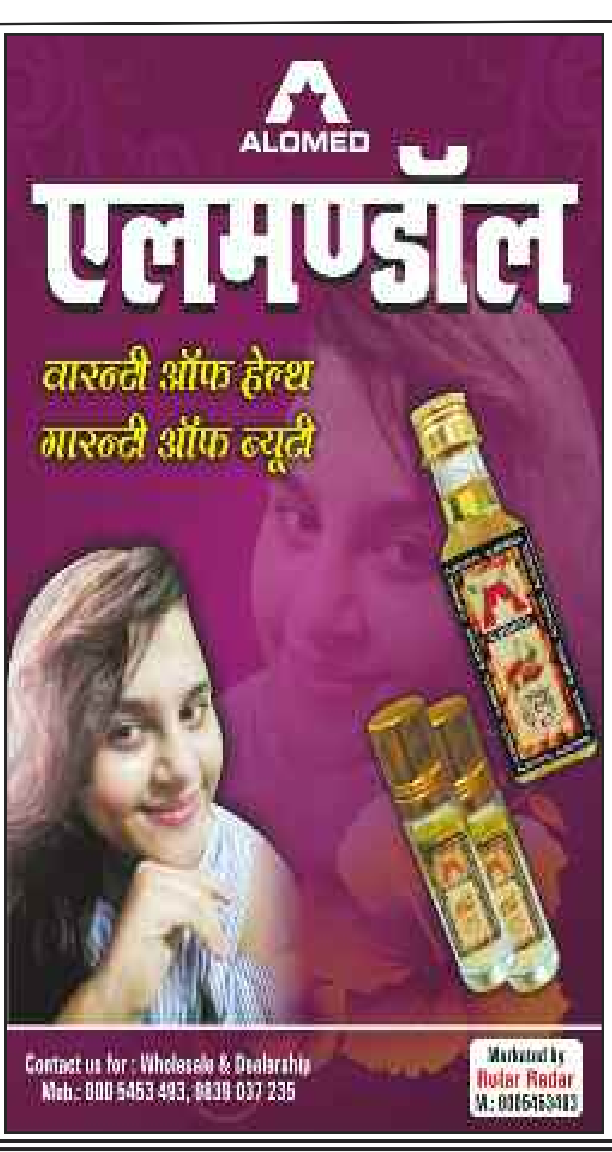

संपादकीय

सच्चा प्यार करने वाले कभी अपना असली धर्म और नाम नहीं छिपाते

जो लोग गोलमोल शब्दों में साजिशन 'लव जिहाद' के खिलाफ योगी सरकार द्वारा लाए गए 'उत्तर प्रदेश विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश2020' कानून का विरोध करते हुए यह कह रहे हैं कि प्यार का कोई धर्ममहजब नहीं होता है, वह सिर्फ और सिर्फ समाज की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं। लव जिहाद को प्यार जैसे पवित्र शब्द के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। भला कोई अपना धर्मनाम छिपाकर किसी से कैसे सच्चा प्यार कर सकता है। बात यहीं तक सीमित नहीं है। यह भी समझ से परे है कि ऐसे कथित प्यार में हमेशा लड़की हिन्दू और लड़का मुसलमान ही क्यों होता है और यदि कहीं किसी एकदो मामलों में लड़की मुस्लिम और लड़का हिन्दू होता है तो वहां खूनखराबे तक की नौबत जा जाती है। मुस्लिम लड़कियों से प्यार करने वाले कई हिन्दू लड़कों को इसकी कीमत जान तक देकर चुकानी पड़ी है। इसी के चलते समाज में वैमस्य बढ़ रहा था।

आसान शब्दों में कहें तो 'लव जिहाद' मुस्लिम लड़कों द्वारा गैरमुस्लिम लड़कियों को इस्लाम धर्म में परिवर्तित कराने के लिए प्रेम का ढोंग रचना है। देश में अक्सर लव जिहाद के किस्से सुनने को मिल जाते हैं, लेकिन इसकी ओर सबका ध्यान तब गया जब सुप्रीम कोर्ट ने लव जिहाद को लेकर टिप्पणी की, तभी ये शब्द चर्चा और बहस का ज्वलंत मुद्दा बन गया। लव जिहाद दो शब्दों से मिलकर बना है। अंग्रेजी भाषा का शब्द लव यानि प्यार, मोहब्बत या इश्क और अरबी भाषा का शब्द 'जिहाद'। जिसका मतलब होता है किसी मकसद को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देना। जब एक धर्म विशेष को मानने वाले दूसरे धर्म की लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उस लड़की का धर्म परिवर्तन करवा देते हैं तो इस पूरी प्रक्रिया को 'लव जिहाद' का नाम दिया जाता है। इस मुद्दे ने तूल तब पकड़ा जब केरल हाईकोर्ट ने 25 मई को हिंदू महिला अखिला अशोकन की शादी को रद्द कर दिया था। निकाह से पहले अखिला ने धर्म परिवर्तन करके अपना नाम हादिया रख लिया था, जिसके खिलाफ अखिला उर्फ हादिया के मातापिता ने केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। आरोप लगाया गया कि उनकी बेटी को आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में फिदायीन बनाने के लिए लव जिहाद का सहारा लिया गया है। जिसके बाद केरल हाईकोर्ट ने अखिला उर्फ हादिया और शफीन के निकाह को रद्द कर दिया था। उसके बाद अखिला उर्फ हादिया के पति शफीन ने केरल हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसी मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले की एनआईए जांच के आदेश दिए थे।

बहरहाल, योगी सरकार जो कानून लाई है उसकी आवश्यकता काफी समय से महसूस की जा रही थी, लेकिन हिन्दुओं के आपस में बंटे होने और एकजुट मुस्लिम वोट बैंक की खातिर गैरभाजपाई सरकारों ने कभी इसके लिए कोशिश नहीं की। इसीलिए जो 'ताकतेंशक्तियां' मोदी सरकार द्वारा लाए गए नागरिकता संशोधन एक्ट का विरोध कर रही थीं, वह ही आज भी होहल्ला मचा रही हैं। इसमें अपने आप को आधुनिक और उदारवादी विचारधारा का शायर बताने वाले मुनव्वर राणा से लेकर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी जैसे तमाम लोग शामिल हैं। यहां तक कि इस्लाम को जानने वाले भी, जिनको पता है कि निकाह के लिए किसी गैर मुस्लिम युवती को मुस्लिम धर्म स्वीकार करने के लिए मजबूर करना गैर इस्लामी है। वह भी चुप्पी साधे बैठे हैं। शायर मुनव्वर राणा जो कांग्रेस के काफी करीबी माने जाते हैं, लव जिहाद के खिलाफ योगी सरकार द्वारा लाए गए धर्मांतरण कानून की हिमायत करने की बात कह रहे हैं। राणा ने ट्वीट कर कहा कि लव जिहाद सिर्फ एक जुमला है, जो समाज में नफरत फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान तो मुस्लिम लड़कियों का ही होता है, क्योंकि लड़के कहीं और शादी कर लेते हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लखमी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग (माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

कैसे लौटे बच्चों की खुशियां

कमबख्त कोरोना संक्रमण ने दुनिया को अनेकों तरह से चोट पहुंचाई है। इसने छोटे छोटे मासूम बच्चों पर सच में बहुत ही बड़ा अन्याय किया है। उन्हें अपने दोस्तों से दूर कर दिया है। खेल के मैदानों से पूरी तरह वंचित कर दिया है जो बच्चे रोज अपने दोस्तों के साथ खेलतेपढ़ते और मस्ती करते रहते थे, उन सब खुशियों को कमबख्त चीनी कोरोना ने उनसे छीन लिया है। वे सिर्फ घरों की चहारदीवारी तक सिमट कर रह गए हैं। वे घरों में ही रहकर ही कंप्यूटर या मोबाइल पर ही ऑनलाइन पढ़ाई करने को बाध्य हैं। किसी भी परिस्थिति में ऑनलाइन पढ़ाई क्लास रूम का तो कभी विकल्प नहीं हो सकती न ? वह क्लास रूम का हुडदंग बच्चे भूल नहीं प् रहे। पर क्या किया जाए? बच्चे स्कूल में जाकर अपने अध्यापकों के साथसाथ अपने दोस्तों से भी बातचीत में प्रश्नोत्तर में, विचार विमर्श में बहुत कुछ सीखते थे। वह ज्ञानोपार्जन भी फिलहाल बंद हो गया है। बच्चों का स्कूल में इंटरवल के समय अपने साथियों के साथसाथ बैठकर लंच करने का आनंद भी चल गया है। चुहुलबाजी और छिनाझपटी तो एक सपना सा बनकर ही रह गया है।

दुनिया के हरेक शख्स के लिए सुबह स्कूली बच्चों को अपने कंधे पर बैग लटकाए स्कूल जाते हुए या स्कूल की बस का इंतजार करते हुए देखना बहुत सुखद होता था। इन बच्चों को इनकी मां तैयार करके स्कूल भेजती थी। वह सिलसिला भी अब कोरोना के कारण स्थगित है। उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा वगैरह में सुबह के वक्त आप हजारों लड़कियों को साइकिल पर स्कूल जाते हुए देखा करते थे। अब तो उन दिनों की यादें ही रह गई हैं। कोरोना जाए तब तो फिर से दुनिया अपनी रफ्तार से चले। जरा कोरोना काल से पहले के दिनों को याद कीजिए। आपको देश भर के सभी छोटे बड़े शहरों के स्कूलों के बाहर सुबहदोपहर में स्कूली बच्चों के आनेजाने और मस्ती से सारा माहौल खुशगवार रहा करता था। एक प्यार भरा कोलाहल अब कहाँ गया ? पर अब सब तरफ सन्नाटा है। एक उदासी सी पसरी है। स्कूल बसें स्कूलों के परिसरों में धूलों से ढकी खड़ी हैं। सामान्य दिनों में तो बच्चों को किसी

खास जगह से लेने आने वाली मम्मियों के बीच भी कुछ गपशप हो जाया करती थी। हालांकि बच्चों की बसों के आते ही वह चर्चाएं भी खत्म हो जाया करती थीं।

फिलहाल बड़ा सवाल यह है कि कब कोरोना का प्रकोप खत्म होगा और इन स्कूलों और इनके आसपास की जिंदगियां सामान्य होंगी? कब इन स्कूलों के बाहर आइसक्रीम, छोले भठूरे, आलू टिक्की, समोसे, गुलाब जामुन, बर्फ का गोला और दूसरे आइटम बेचने वाले फिर् से आने लगेंगे। वे भी बेचारे तो स्कूलों के बंद होने से बेरोजगारी का शिकार बन गए हैं। अगर बड़े शहरों में स्कूली बच्चे ऑनलाइन पढ़ रहे हैं, वहीं झारखंड, हिमाचल, उत्तराखंड जैसे राज्यों के दूर दराज इलाकों की स्थिति अलग है। कोरोना काल में जहां राज्य के शहरों के बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे है, वहीं यहां के छोटे शहरों और गांवों के बच्चे घर की दीवार पर ही थोड़ी दूरी पर कई ब्लैकबोर्ड बना कर पढ़ रहे हैं। इस तरह से सोशल डिस्टेंसिग का पालन भी हो रहा है। जरा सोचिए कि इस कठिन दौर में दिव्यांग बच्चें किस तरह से पढ़ पा रहे होंगे। स्थिति सच में बेहद विकट है। इनकी व्यथा अलग प्रकार की है।

आपने भी महसूस किया होगा कि हाल के दौर में बच्चों के जीवन में अपना जन्म दिन उत्साहपूर्वक तरीके से मनाने की चाहत भी रहने लगी है जो नितांत स्वाभाविक है । वे अपने जन्म दिन पर अपने स्कूल और आस पड़ोस के दोस्तों को बुलाते थे अबतक । उस दिन उनके घर में केक कटता था और स्वादिष्ट खाना पान की व्यवस्था रहती थी । फिर गीतसंगीत के दौर में नाचगाना भी होता था । कहाँ गया बच्चों का वह आनंद ? बच्चों के लिए उनका जन्म दिन दिवाली से कम महत्व नहीं रखता। अच्छी बात यह है कि सभी अभिभावक भी अपने बच्चों की भावनाओं का ख्याल करते हुए उनके जन्मदिन को भव्य तरीके से मनाने में लग जाते हैं। इसी तरह से बच्चे अपने दोस्तों के जन्म दिन का भी इंतजार करते थे । दोस्तों के जन्म दिन पर उसके घर अवश्य ही कोई न कोई गिफ्ट लेकर जाते थे । ये सब बच्चों की प्यारी सी खिलखिलाती हुई दुनिया का अबतक अभिन्न अंग रहा हैं। कोरोना ने उनकी इस खुशी को छीन लिया है। ये सच में कोई छोटी बात नहीं है। यकीन मानिए कि इन सब वजहों के चलते बच्चों के ऊपर नकारात्मक असर तो हो रहा होगा। बच्चों से जुड़े मसलों पर अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों को उन उपायों के बारे में सोचना होगा ताकि बच्चों के जीवन में आई हताशा निराशा कम से कम कुछ हद तक तो दूर किया जा सके । कोरोना काल से पहले बच्चे अपने माता पिता या परिवार के किस् अन्य सदस्य के साथ बाजारों में घूमने या पिक्चर देखने जाया करते थे। इससे वे पढ़ाई के बोझ के तनाव से छुटकारा महसूस करते थे। जब स्कूल बंद है और घर के बाहर तक निकलना बंद है, इस बार तो बच्चे गर्मियों की छुट्टी में कहीं घूमने भी नहीं गए।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद, राज्य सभा
नई दिल्ली ।

www.womenexpress.in

हम अन्नदाता हुक्मरानों को दंगाई नजर क्यों आ रहे हैं?

इस भीषण सर्दी में भी 2 बजे रात को नहर में कूदकर उसका मुहाना खोलने वाले हम अन्नदाता को पानी का जोर नहीं दिखाओ ,अगर हम रूठ गए तो देश से राजनैतिक खरपतवार साफ हो जाएगी।

साथियों आज संविधान दिवस है, देश के अन्नदाता का हालात कैसा है ,यह किसी से छुपा नहीं है, आजादी के इतने वर्षों के बाद भी जो अन्नदाता सभी का पेट भरता है, अक्सर वही और उसके बच्चे भूखे सोते हैं। दूसरी तरफ जब हमारे अन्नदाता अपने हक के लिए आवाज उठा रहे हैं तो , देश की राजधानी दिल्ली में उन पर पानी की बौछार और लाठियां भांजी जा रही है। साथियों शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना यह हम सभी का लोकतांत्रिक अधिकार है, फिर आखिर अन्नदाता को रोकने की प्रयास क्यों? जो अन्नदाता सभी का पेट भरता है ,वह अन्नदाता आज हुक्मरानों को दंगाई क्यों नजर आ रहा है?

आजादी के इतने वर्षों के बाद भी अन्नदाता का हालात क्या है यह आज किसी से छुपा नहीं है, आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? मैं खुद दर्द धरतीपुत्र हूं, अपने घर और आस पड़ोस के साथ ही देश के किसानों के हालात से रूबरू हूं। दोस्तों आप ही सोचो हम किसान इस भीषण ठंड में भी दिन रात पूरे परिवार के साथ खेतों में डटे रहते हैं, इस वैश्विक महामारी में भी जब पूरी दुनिया में लॉकडाउन था फिर भी हमारे अन्नदाता अपने खेतों में डटे हुए थे, इन्होंने कोई छुट्टी नहीं ली ताकि कोई भूखा ना मर सके। आज सरकारी गोदामों में हमारे अन्नदाता के मेहनत के बदौलत ही अनाज भरा हुआ है, खाद्य मंत्री आते हैं और बोलते हैं कि देश में अनाज की कहीं कमी नहीं है लेकिन इसको उपजता कौन है, उसका नाम भी नहीं लेते हैं आखिर अन्नदाता की उपेक्षा कब तक और क्यों? क्योंकि वह अपनी आवाज नहीं उठाता, और जब आज उठाया है तो उस पर दंगाइयों वाली सजा दी जा रही है।

हमारे अन्नदाता इस भीषण ठंड के बीच अपनी जायज मांगों को लेकर गांधीवादी तरीके से दिल्ली आए हैं तो आखिर क्यों उन पर पानी की बौछार मारा जा रहा है? आज हमारा अन्नदाता सड़कों पर है, आज संविधान दिवस है, आखिर अन्नदाता खेतों में और उसके बच्चे सीमा पर कब तक अपनी जान देते रहेंगे।

आखिर मैं पूछता हूं कि दिल्ली दरबार को देश के अन्नदाता से खतरा कब से हो गया? विडंबना है साथियों की इन किसानों को रोकने के लिए भी उन्हीं के बेटे यानी सेना के जवान खड़े कर दिए गए हैं ।

मेरा विनम्र निवेदन है कि जो अन्नदाता देश पर चाहे जैसी भी विपत्ति हो हमेशा देश के लिए खड़ा रहता है चाहे वह खेतों में अनाज पैदा करने में या उसका बेटा सीमा सुरक्षा के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर देता है, उसको उसी के बेटे से सजा ना दिलाओ, हमारे अन्नदाता के लिए सुरक्षा कानून बनाओ, आखिर आजादी के इतने बरसों के बाद भी क्यों नहीं बनाया गया?

आज भी अन्नदाता आखिर क्यों भूखे सोता है, फिर जब अपने अधिकार के लिए आवाज उठाया तो आप उस पर पानी की बौछार और लाठियों की बौछार मार रहे हो आखिर क्यों पूछता है देश?

विक्रम चौरसिया

www.womenexpress.in

कोरोनाः अभी ढिलाई ठीक नहीं

कोरोना के प्रति शासन, प्रशासन और आम जनता की लापरवाही के परिणाम अत्यंत भयावह रूप लेते दिखाई दे रहे हैं। संक्रमितों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के बाद भी हमारा समाज किसी प्रकार का सबक लेने की मानसिकता नहीं बना सका है।

इससे पहले भी लॉकडाउन की अवधि के दौरान जनमानस अच्छे बुरे की पहचान कर चुका है। लेकिन ऐसा लगता है हम जानते हुए अनजान बन जाते हैं। इसके पीछे का कारण यह भी माना जा सकता है कि हमारा समाज लम्बे समय तक ऐसी राह का अनुसरण कर चुका है, जो पूरी तरह से पश्चिम के विकारों से ग्रसित है। प्रायः यही कहा जाता है कि जो व्यक्ति भारतीय संस्कृति की जीवन संहिताओं का पालन करता है, उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमताओं में आशातीत वृद्धि होती है। जबकि पश्चिमी अवधारणा पर आधारित जीवन जीने वाला व्यक्ति समस्याओं को खुद ही आमंत्रित करता है।

वर्तमान में देश के कुछ हिस्सों में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए धारा 144 और कर्फ्यू लगाने की आवश्यकता हुई है।

केंद्र सरकार ने भी इस मामले में सक्रियता दिखाकर राज्यों से अंकुश लगाने को कहा है। इसका तात्पर्य यही है कि अब हालात पहले से भी ज्यादा घातक हैं। पहले की तुलना में जहां संक्रमण बढ़ा है, वहीं कोरोना के कारण मृत्यु दर भी निरंतर बढ़ती जा रही है। इस स्थिति को लापरवाही की पराकाष्ठा ही माना जा सकता है। विशेष बात यह है कि इस बार कोरोना संक्रमित व्यक्ति गंभीर अवस्था में उपचार करा रहे हैं। मतलब समस्या काफी गंभीर है। समस्या इसलिए भी ज्यादा घातक है, क्योंकि अभी तक यह बीमारी लाइलाज है। लगभग एक वर्ष का समय व्यतीत हो जाने के बाद भी यह पता नहीं है कि इसकी दवा कब तक आएगी। केंद्र सरकार ने स्पष्ट तौर पर कह दिया है कि वैक्सीन कब आएगी, यह वैज्ञानिकों के हाथ में है। तब तक किसी भी प्रकार की ढिलाई जीवन को खतरे में डाल सकती है।

चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को अपने आगोश में ले लिया है। दुनिया के देश इसके खतरों के प्रति पूरी तरह से अनजान होने के कारण पहले तो हल्के में लिया, लेकिन जैसे ही

कोरोना का विकराल रूप सामने आया तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अमेरिका जैसे विकसित और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर सेवा देने वाले इटली जैसे देश में भी इस वायरस ने तबाही जैसे हालात बना दिए थे। अभी खबर मिल रही है कि यूरोप और अमेरिका में कोरोना वायरस ने फिर पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। फ्रांस में भी कोरोना की दूसरी लहर ने स्वास्थ्य आपातकाल लगाने की स्थिति पैदा कर दी है। यही स्थिति भारत की है। हालांकि यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि जब से कोरोना वायरस फैला है, तब से ही यह कहीं ज्यादा तो कहीं कम विस्तारित ही हो रहा है। सवाल यह आता है कोरोना के काल में ही कुछ लोंगों ने इसके प्रति उदासीन रवैया अपना लिया था। जिसका परिणाम आज सबके सामने है। सवाल यह भी है जब कोरोना संक्रमण की बीमारी अंतरराष्ट्रीय स्तर की समस्या के तौर पर उपस्थित हुई है, तब ऐसी स्थिति में मात्र भारत सरकार को निशाने पर लेने की राजनीति कहीं न कहीं हमारी उदासीनता को ही प्रकट कर रही है। यह समस्या हर राज्य की है और हर क्षेत्र की है। यहां तक कि हर नागरिक से जुड़ी है, इसलिए इसका समाधान केवल सरकारी स्तर पर नहीं निकाला जा सकता। इसके लिए हमको सभी स्तर पर जागरूक रहने की आवश्यकता है। इसमें सबसे पहले अपने आपको बचाकर रखने में ही अपनी और समाज की भलाई है। ऐसी अवस्था में और ज्यादा कठोरता होने की जरूरत है। नहीं तो देश में अकाल मौतें तो होंगी ही साथ ही कठोर लॉकडाउन का भी सामना करना पड़ सकता है।

जहां तक भारतीय परिवेश और खानपान की बात है तो यह कहना भी जरूरी है कि कोरोना संक्रमण के दौरान यह बात सबके ध्यान में भी आ चुकी है कि हाथ मिलाने के स्थान पर नमस्ते करने से भी संक्रमण से बचा जा सकता है। खानपान को व्यवस्थित करने से भी शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि की जा सकती है। इतना ही नहीं विश्व के कई देशों ने खुलकर यह स्वीकार भी किया है कि भारत के लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कहीं ज्यादा है, इसीलिए कई देशों की तुलना में भारत में इसका असर ज्यादा नहीं हुआ।

एक बात और भी

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शासन और प्रशासन ने कई बार आम जन से यह अपील की कि जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि इस अपील का आम समाज पर कोई प्रभाव नहीं हुआ। समाज का हर व्यक्ति भीड़ से परहेज नहीं, बल्कि उसका हिस्सा बनने की अग्रसर हो रहा है। भौतिक दूरी और चेहरे पर मास्क लगाने की भी जरूरत नहीं समझी जा रही। यह हमारे समाज की विसंगति ही कही जाएगी कि हम जीवन के प्रति बनाए गए नियमों में बंधना ही नहीं चाहते। हम नियमों की अवहेलना ही करने की ओर प्रवृत्त होते जा रहे हैं। यही सब कारण हैं कि हम समाधान के बजाय खुद ही समस्या बनते जा रहे हैं। भारत की जनता नियम पालन करने की मानसिकता बना ले तो स्वाभाविक रूप से बहुत सारी समस्याओं का समाधान निकल सकता है।

सुरेश हिन्दुस्थानी
लश्कर, ग्वालियर
(मध्यप्रदेश)।

www.womenexpress.in

हजार बीमारियों की जड़ है मोटापा

वैज्ञानिकों द्वारा कई बार चेतावनी दी जा चुकी है कि जिन लोगों का मोटापा बढ़ रहा है या फिर जो मोटापे से ग्रसित हैं, उन्हें कोरोनावायरस होने का खतरा बहुत ही अधिक है। लोगों की लाइफ स्टाइल और खानपान को लेकर अनेक वैश्विक संस्थाओं ने चेताया है की आने वाले समय में इससे 150 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे होंगे। विभिन्न रिसर्च रिपोर्टों में कहा गया है कोरोना काल में प्रोसेस्ड फूड के बेहताशा उपयोग से मोटापा बढ़ता जायेगा जो ज्यादातर बीमारियों की नींव है। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, जॉइंट पेन और कैंसर तक की वजह चर्बी है। फैट जब बढ़ता है तो शरीर के हर हिस्से में बढ़ता है। चर्बी से निकलने वाले हार्मोन नुकसान पहुंचाते हैं इसलिए शरीर का हर हिस्सा इससे प्रभावित होता है। जैसे पेन्क्रियाज का फैट डायबिटीज, किडनी का फैट ब्लड प्रेशर, हार्ट से आसपास जमा चर्बी हृदय रोगों की वजह बनती है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि ज्यादा वजन और मोटे लोग कोरोनावायरस की चपेट में आने पर गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। उनकी मौत होने की आशंका भी ज्यादा है। एक अन्य शोध में पाया गया कि बॉडी मास इंडेक्स 25 से ज्यादा वाले लोगों में कोरोना से संक्रमित होने का जोखिम ज्यादा होता है। जो जितना ज्यादा मोटा होगा, उसे कोरोना का रिस्क उतना ज्यादा होगा। पहले भी जब इन्फ्लुएंजा महामारी, स्वाइन फ्लू बीमारी आई थी, तब भी मोटे लोग हाई रिस्क कैटेगरी में थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोटापे को स्वास्थ्य के 10 मुख्य जोखिमों में से एक बताया है। मोटापा इसलिए भी बड़ी समस्या है, क्योंकि यह डायबिटीज और कैंसर जैसी कई अन्य बीमारियों का भी कारण बनता है।

भारत में 13.5 करोड़ लोग मोटापे से परेशान हैं। भारतीय दूसरी बीमारियों से भी लड़ रहे हैं। देश में 7.2 करोड़ लोग डायबिटीज और 8 करोड़ हाई ब्लड प्रेशर से परेशान हैं। जर्मन वैज्ञानिकों की रिपोर्ट कहती है कि दुनियाभर में मोटापा बढ़ने से हार्ट डिसीज और डायबिटीज के मरीज भी बढ़ेंगे। कोरोना जैसी महामारी इनके लिए मौत का खतरा और बढ़ा देती है।

पौष्टिक आहार को लेकर दुनियां में व्यापक हलचल मची है। आहार मनुष्य की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण आधारभूत आवश्यकता है जिसके बिना कोई भी प्राणी जीवन की कल्पना नहीं कर सकता है। दुनिया में प्रचुर खाद्यान्न उत्पादन होने के बावजूद लोगों के लिए स्वास्थ्यपरक आहार आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हमारे शरीर को पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए पोषक पदार्थों की जरूरत होती है। ये पोषक पदार्थ अलगअलग तरह के भोजन से हमें मिलते हैं, यानि ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां, सूखे मेवे, डेयरी उत्पाद और मीट वगैरह आदि। शारीरिक श्रम करना, सोना और आराम करने की तरह ही संतुलित और पौष्टिक आहार लेना भी जरूरी है। भोजन का मतलब यह नहीं होता कि आप कुछ भी खा रहे हैं। ऐसा भोजन करें जो स्वच्छ और पोषण तत्वों से भरपूर हो । इससे न सिर्फ हम बीमारियों से दूर रहते हैं, बल्कि शारीरिक विकास भी अच्छी तरह होता है। संतुलित आहार के अनेक फायदे नहीं है जैसे आप के शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और अच्छी नींद को बढ़ावा भी देता ह। संतुलित आहार शरीर में वसा कम करता है साथ ही शरीर को अच्छे से काम करने के लिए प्रेरित करता है। शरीर के लिए आवश्यक संतुलित आहार लंबे समय तक नहीं मिलना ही कुपोषण है। कुपोषण के कारण बच्चों व महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इससे वह आसानी से कई तरह की बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। कुपोषण की जानकारी होना जरूरी है। कुपोषण प्राय पर्याप्त संतुलित आहार के अभाव में होता है। बच्चों और स्त्रियों के अधिकांश रोगों की जड़ में कुपोषण ही होता है।

आहार हमारे जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। इससे हमें ऊर्जा मिलती है। जब तक आहार में पौष्टिक तत्व नहीं होंगे तब तक शरीर का विकास उचित प्रकार से नहीं होता है। आहार में पौष्टिक तत्व होने आवश्यक है जो शरीर का वर्द्धन करें। हमारे देश में गरीबी एवं अज्ञानता के कारण भोजन में पौषक तत्वों की कमी रहती है। इन्ही कारणों से बच्चों में कुपोषण एवं वयस्कों में कई विकार उत्पन्न होते है। आहार में कार्बोज, प्रोटीन, वसा, खनिज लवण एवं विटामिन विद्यमान हो तभी व्यक्ति की शारीरिक वृद्धि एवं विकास होगा। इस प्रकार के आहार में जल एवं फाइबर की भी पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए। वैज्ञानिकों के अनुसार रोजाना 30 मिनट की वॉक, सीढ़ी चढ़ना, रात का खाना हल्का लेना और घर के कामों को करके भी मोटापा आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। नाश्ते में अंकुरित अनाज यानी मूंग, चना और सोयाबीन को अंकुरित खाएं। ऐसा करने से उनमें मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है। मौसमी हरी सब्जियों को डाइट में शामिल करें। अधिक फैट वाला दूध, बटर तथा पनीर लेने से बचें। जंक फूड से बचना होगा और पोषक आहार अपनाना होगा तभी मोटापे जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
मालवीय नगर, जयपुर।

www.womenexpress.in

चीन का माओवाद- सांस्कृतिक क्रांति

वैसे चीन अपने को जनवादी लोकतंत्र करता है लेकिन यथार्थ के रूप में देखा जाए तो चीन में लोकतंत्र नाम की कोई चीज ही नहीं है वहां पर सिर्फ एक पार्टी का शासन है 1893 से 1976 माओ त्से तुंग का कार्यकाल रहा जन्म से लेकर मृत्यु तक माओ त्से तुंग ने सत्ता को अपने हाथ में लेने के लिए संघर्ष किया और सफल भी हुआ माओ त्से तुंग ने यहां तक भी कह दिया था कि राजनीतिक शक्ति बंदूक के नाम से निकलती है ना कि जनता की वोट से। असंतोष क्रांति को जन्म देगी जिसका मुख्य वाहक कृषक वर्ग होगा माओ त्से तुंग ने 1949 में सांस्कृतिक क्रांति के

माध्यम से शासन सत्ता को अपने हाथों में ले लिया और उसे सांस्कृतिक क्रांति का नाम दिया। सांस्कृतिक क्रांति को व्यवहार के धरातल पर लाकर जनवादी चीन के सिद्धांतों की कसौटी पर कसा। उसने सही नीति के निर्माण की व्याख्या किया विरोध और परिवर्तन ऐतिहासिक अनिवार्यता की मांग है जो सभी सामाजिक विन्यासो के ऊपर लागू होंगी।

माओ त्से तुंग ने यह भी बताया कि क्रांति कोई अंतिम समाधान नहीं है केवल अभीष्ट दिशा में प्रगति का एकमात्र चरण है अंतर्विरोध तो हमेशा बने रहते हैं पुराने अंतर्विरोध समाप्त हो जाते हैं तब नए अंतर्विरोध का जन्म होता है ऊपर से कोई समाधान आरोपित कर के अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास एक मूलांकुर है। संघर्ष का अंत नहीं होगा सिर्फ उसका स्वरूप बदल जाएगा। समाजवादी शासन का पुनर्निर्माण निरंतर क्रांति की एक प्रक्रिया है। जब जब राजनीति और अर्थव्यवस्था में संघर्ष होगा वहां राजनीति को प्रधानता मिलेगी इसी तरह सांस्कृतिक क्रांति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि औद्योगिक क्रांति क्योंकि ज्ञान की नई प्रणाली का सृजन होगा जिसमें जनसाधारण को औद्योगिक मूल्य था का अनुभव होगा। अनवरत चलने वाली क्रांति कभी समुद्र की लहरों की तरह शांत होगी तो कभी उग्र रूप धारण करेंगी यही निरंतर क्रांति का सिद्धांत है।

सत्य प्रकाश सिंह
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

खुद की तलाश...!

खो गया देखा ज़माने की,
भीड़ में खुद की तलाश।
ढूढ़ता रहा बीच बाज़ार,
कल में छिपे इक आश।
ख़ुशी का नही नाम निशान,
आज भी हो गया सुबह से शाम।
दिन के उजाले में ढूढ़ता रोशनी,
ढलते सूरज रातों की पैग़ाम।
हरकत मेरे देख जमाना,
समझ न मुझको है पाया।
मोती भी जुगनू सा चमके,
रोशनी बिखरने है आया।
गाता हूँ मैं गीत ख़ुशी का,
इक सुंदर राग सुनाता हूँ।
हर परछाई में भी देखो,
ख़ुद को ढूढ़ता रहता हूँ।
एक उजाला फ़ैलाने को,
जग में खुद को जलाता है।
अंधेरे फैले जहाँ की चमन में,
रोशनी प्रभाकर फैलाता है।
पंख होता उड़ता ऊंची उड़ान,
चलते रहता दिन रात।
तलाश की ख्वाहिशें न खत्म,
खटकती मन में इक बात।
उड़ते खुले गगन के पार,
मन्नते पूरी होती काश।
हर शख्स को रहता है,
ख़ुद को ख़ुद की तलाश।
जल गये तक़दीर के पन्ने,
अवशेष कुछ बचे तेरे नाम।
तलाश मेरा था सफर में,
ईमानदारी ईमान की काम।
भीड़ में भी तलाशता,
ख़ुद की जमीर की पहचान।
तलाश मेरा था जारी,
थमते साँसो की अरमान।
तलाश कल भी था,
आज भी है तलाश।
जिंदगी की डगर है,
अंततक न होंगे हताश।
जिंदा हूँ इस तलाश में,
इंसान से इंसान का हो पाला।
ख़ुद को खड़ा कर सकूं,
षड्यंत्र छल का न हो जाला।
अंदर की आवाज भाँप,
सुलगते रेगिस्तान में प्यास।
दर्द दिल की सुनता हूँ,
आज भी है ख़ुद की तलाश।

दिव्यानंद पटेल
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

मंजिल

मंजिल की तलाश में हम
गुमनाम होने लगते हैं,
रास्तों को पहचान कर भी
अंजान होने लगते हैं,
भटके हुए राही को तो फिर
भी मिल जाता है रास्ता,
पर जो खुद भटकना चाहे तो
उसे रास्ता भी नही अपनाता,
जिंदगी का बड़ा अजीब दस्तूर है,
यूँ तो हम रास्ते तय कर लेते हैं ,
पर यहीं हमारी मंजिल है इस
बात से परे रहते हैं,
बेहतर यही है कि हम अपनी
मंजिल को जानें,
रास्तें में हम यूँ चलें कि लोग
हमारे कदमों के निशां पहचाने ।

अंकुल त्रिपाठी निराला
(प्रयागराज) उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

अनमोल तोहफ़ा

सबसे अनमोल तोहफ़ा
जो तुम दे सकते थे...
वो साथ था तुम्हारा
वो वक़्त था,,
जो सिर्फ हमारा होता
वो आश्रय था,
जिसकी तलाश में
मैं भटकती रही...
वो अहसास था
जिसके आगे हर वस्तु
बेमोल है वो प्रेम था,
जो विभाजित न हो सके
लेकिन , मेरे हिस्से आई
अंतहीन प्रतीक्षा, हज़ारों संशय,
ढेरों प्रतिवाद ,
अनर्गल आरोप
और बँटे हुए तुम

श्वेता सक्सेना
जयपुर ।
www.womenexpress.in

सैनिक की अभिलाषा

ये विछोह करुण वेदना, तुमसे
जी भर के कह लें ।
अंतस उत्कंठा उठती है, कुछ
दिन तेरे संग रह लें ।।

सीमा पर है तैनाती मेरी, तनमन
राष्ट्र को अर्पण है ।
राष्ट्र सुरक्षा से बढ़ करके, नहीं
यह प्रेम समर्पण है ।।
स्मृतिप्रदीप जलते रहते, मेरे
शुचि अंतर आंगन में ।
तुम्हें विस्मृत न कर पाउंगा, तुम
घुली हो अन्तर्मन में।।

उर में यादों की तरंग उठें,
लगता है कि उनमें बह लें ।
अंतस उत्कंठा उठती है, कुछ
दिन तेरे संग रह लें ।।

तुम्हारी स्मृति में डूबे हुए, मेरे
गज़ल,छंद, रुबाई हैं ।
प्रति पल तेरी याद दिलातीं, ये
दूरियां ये तन्हाई हैं ।।
गीत तुम्हारे मन में बजते,
झंकृत होती ये वीणा है ।
व्यथित हृदय कैसे बतलाये,
विछोह की जो पीड़ा है ।।

लगता है बैठ के सम्मुख, सारी
पीर तुमसे कह लें ।
अंतस उत्कंठा उठती है, कुछ
दिन तेरे संग रह लें ।।

कभी तो अंबुरूह खिलेंगे, कभी
ये उपवन महकेगा ।
कभी तो होगा मिलन हमारा,
मन का पंक्षी चंहकेगा ।।
राष्ट्र प्रेम की पुनीत भावना,
हमारे प्रणय से ऊपर है ।
हम दूर रह कर भी जी लेंगे,
राष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरि है ।।

कर्तव्य आज हमारी पूजा,
विछोह कुछ दिन सह लें।
अंतस उत्कंठा उठती है, कुछ
दिन तेरे संग रह लें ।।

एस पी दीक्षित
शुक्लागंज, उन्नाव, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

तुमसे तो बेहतर

तुमसे तो बेहतर ये गीत हैं मेरे,
नित नए रूप में मेरे लवो पर
चले आते हैं।
तुमसे तो बेहतर ये मौसम की
ॠतुएं हैं,
अपने समय पर ये भी चले आते हैं।
तुमसे तो बेहतर ये आंसमा में
उमड़ते बादल हैं,
जमीं प्यासी लगे जब भी ये
बरसने चले आते हैं।
तुमसे तो बेहतर ये मेरे
कँगना की खनखन हैं,
जब भी खनकु तो नया राग
सुनाने चले आते हैं।
तुमसे तो बेहतर तेरी यादों
का आनाजाना है,
मेरी तन्हाई में मेरा साथ
निभाने चले आते हैं।
तुमसे तो बेहतर इन आँखों
का बरसना है,
पूनम भी ना समझ पाये बिन
कहे चले आते है।

पूनम भारती उदयचंद्रा
मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

दिलों में नफरत हाथों में खंज़र क्यों

दिलों में नफरत हाथों में खंज़र क्यों।
मेरे मौला ये खौफनाक मंज़र क्यों ।।

कौम का बटवारा खून से सना हुआ ।
लहु की धार नफरत का असर क्यों।
ए खुदा तेरी रहमत या कुछ और है ,
आँखों में तल्खी,जुबाँ पे जहर क्यों ।।
कहीं घर उजड़ा है कही दुकांन उजड़ी,
अमन गायब है बचे अस्थि
पंजर क्यों ।।

एक मिटटी से बनाया है हम सबको,
लाचार इंसान भला इतना जर्जर क्यों।

आओ भूलो दंगे फसाद नया
जहाँ बनाएँ।
शांति अमन और चैन में
संजीव इतना कहर क्यों।।

संजीव ठाकुर
चौबे कॉलोनी, रायपुर।
www.womenexpress.in

तुलसी विवाह एवम तुलसी महात्म्य

तुलसी दर्शन जो करे नितदिन
सब पाप उसके कट जाते है
अबिरल करें तो तूलसी पूजा
मोक्ष प्राप्त कर जाते हैं

प्रातः उठकर तुलसी को
जो नित्य जल चढ़ाते हैं
खुशियों की मिलती सौगात
दुख दूर हो जाते हैं

आयुर्वेद में तुलसी को
माना जाता संजीवनी समान
जुकाम,खांसी,बुखार और कई
बीमारियों का करती है यह
काम तमाम
कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की
एकादशी को देवउठनी मनाई
जाती है
तुलसी विवाह का महत्व है इस दिन
बिधि विधान से शादी करवाई जाती है

एक बार गुस्से में माता तुलसी ने
विष्णु को श्राप से पत्थर बना दिया

श्राप से मुक्ति पाने को विष्णु जी ने
शालिग्राम का फिर अवतार लिया
पहले हर घर के आंगन में
तुलसी चौरा होता था

तुलसी की पूजा होती थी
जल चढ़ाया जाता था
जिस घर में अब भी
तुलसी की पूजा की जाती है
उस घर में खुशियां बस्ती हैं
और खुशहाली आती है

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपर, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

संविधान: लोकतंत्र का ग्रंथ

आजाद भारत के गणतंत्र का गर्व हूं।
प्रजातंत्र का पावन पवित्र पर्व हूं।।
दुनिया में भारत का अभिमान हूं
सर उठाने का स्वाभिमान हूं।।
विधान में वाणी की पावनता है
भाइयों में भाईचारामानवता है
जीवन जीने का अधिकार है।
जो ना मानें उन पर धिक्कार है।।
लोकतंत्र की जागती जान है।
मेरे देश का संविधान महान है।।
संसद की दीवारें तब चीखती है।
अवैधानिक कानून जब लिखती है
संविधान की शपथ लेने वाले है।
कपड़ों से सफेद, मन से काले है।।
भाईचारा संविधान का मूल मंत्र है,
पूजा में पावन प्रेम ही प्रजातंत्र है।
भारत में संविधान की पहचान है,
इसलिए तो दुनिया में सम्मान है।
जनता ही सर्वोच्च शक्ति है।
लोकतंत्र की परम भक्ति है।।
वोट की कीमत सबकी एक है।
अमीर गरीब भले ही अनेक है।।
संविधान को सब लोग मानते है।
हकीकत में बहुत कम जानते है।।
मेरी झूठी शपथ लेने वालों।
अरे !तुम कब सुधरोगे सालों?
संसद में जब दागी नजर आता है।
जनमत में बागी नजर आता है।।
संसद में जनता का संबोधन।
आम से खास तक का उद्बोधन।।
कानून कायदों का अनुशासन।
प्रशासन पर भारी रहा हैं शासन।।
भारत के सपनों का अमर पर्व है।
दुनिया में बड़ा विधान हमें गर्व है।
नेता जी के लिए राजपथ है।
जनता के लिए जनपथ है।।
डॉ बाबा साहेब का मान है।
लोकतंत्र की आन और शान है।।
जब तक हम धर्मनिरपेक्ष है।
तब तक लोकतंत्र निरपेक्ष है।।
लोकतंत्र में सबको आजादी है।
तानाशाही में सिर्फ बर्बादी है।।
समझ सके उसका फायदा हूं
लोकतंत्र का कानून कायदा हूं।।

प्रकाश भारतीय
अरणाय, सांचौर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

यूँ चेहरे से ना जानिये मेरा किरदार

यूँ चेहरे से ना जानिये मेरा किरदार
मिजाज से बहुत सख्त लड़का हूँ
उम्र से बहुत कम ही सही मगर
मिशाल ए दरख़्त लड़का हूँ

उसकी मुस्कुराहट पर फिसल गया
वगरना यूँ तो करख्त लड़का हूँ
लौट आता हूँ रोज बिना चूमे उसे
दौरएइश्क़ में कितना सख्त लड़का हूँ
यूँ तो तमाम कफ़स तोड़ आया हूँ
उसकी आँखों में क़ैदसख्त लड़का हूँ
मैं मुश्किल बना हुआ हूँ सबकी
कहने को तो यूँ लख्त लड़का हूँ

मुस्कुरा लेता हूँ बज्मएजाना मैं
अहदएजीस्त में दुख्त लड़का हूँ
उलफ़्तों से बनी है पेशानी मेरी
वक्त के हाथों दमपुख्त लड़का हूँ

जिसे जितनी जरूरत थी ले गया
बाजारएबेबसी में फरोख्त लड़का हूँ
सबको जीतकर उसे हारा हूँ बाज़
सोचो कितना बदबख्त लड़का हूँ

कैलाश सिंह राठौड़
(बीकानेर) राजस्थान ।
www.womenexpress.in

देवउठनी एकादशी

देवउठनी एकादशी संग ।
चतुर्मास समाप्त सब शुभ ।
कार्य शुरू हो जाते ।
शालिग्राम संग तुलसी विवाह ।
संपन्न हो जाते शुभ कार्य ।
अनुमति पाते ।
गीत गाते उठो देव, जागो देव सांवरे ।
बेर भाजी खाओ आंवले ।
कुँवारन के ब्याह हुए ।
ब्याहन के गौना ।

देवउठनी ग्यारस पर ।
ऐसे भगवान विष्णु को, गीत सुना कर ।
चतुर्मास निंद्रा से उठाया जाता है ।
इतनी अद्भुत देवउठनी ।
ग्यारस है ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

रिश्तों को संभालो

देखो कहीं दरख़्त ना बन जाए दूरियाँ मिलते रहो यक ब यक की कहीं अन्जान न बन जाए एक दूसरे का चेहरा।

नाप तोल कर वस्तुएं ली दी जाती है रिश्ते नहीं जनाब अपनेपन पर ये कैसा है पहरा।

सुस्ताए रिश्ते को संभाल लो ज़रा कहीं अहं के चलते अनमनेपन का गड्ढा बन ना जाएं गहरा।

बहुत बेशकिंमती है अपनों का अपनापन बहती नदी सा बहने दो कहीं हो ना जाएं झील सा पानी ठहरा।

होती है अनबन भी अपनों से तो क्या हुआ कहीं मतभेद मनभेद न बन जाएं रिश्ते को बना लो गहरा।

जाने ना दो रूठकर रिश्तों को परवाह की तुरपाई से जोड़कर बचा लो, है अपने जो संग तो ज़िंदगी का हर रंग है सुनहरा।

चाहिए कोई सुख दुःख बाँटने वाला कँधा घेर लेता है जब अवसाद का बवंडर, थाम लो रिश्ते का समुन्दर न बन जाएं सहरा।

खाली हाथ आए थे खाली हाथ जाना है चार दिन की जिंदगी को क्यूँ बैर भाव में बिताना है, मिल लो सबसे खुलकर उतारकर अहं का मोहरा।

भावना ठाकर
भावु, बेंगलोर ।
www.womenexpress.in

बच्चों को बिलखते देखा

ईश्क में दोस्त हर एक ,
को हमने रोते देखा ,
गोद में माँओं की बच्चों,
को बिलखते देखा ,
लुटा कर घर औरों के ,
लिए करते हैं उजाला,
मुफ़लिसी में ऐसे कई ,
बापों को दहकते देखा,
मैं तो बहका हूँ पीकर के,
साक़िया लोगों को बिन ,
पिये ही हमने बहकते देखा ,
भरते रहे दम जो मेरे होने,
का हर पल हर घड़ी हर दम,
बरसती आँखों ने दुनिया ,
को उनकी संवरते देखा ,
टुकड़े दिल के हुआ करती ,
हैं सभी बेटियाँ मुश्ताक
उन्हीं टुकड़ों को सुपुर्दे,
आतिश होते। हुए देखा .

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
हरदा, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

प्रधानी का चुनाव

जब नजदीके चुनाव आवत है,
तब प्रधानन के गांव याद आवत है,
चार साल आठ महीना खबर
लेते नही,
चुनाव चार महीना बचत तो
गरीब के ख्याल आवत है,
सरकारी कोष से आया पैसा
भी खा जात हो,
मनरेगा के मजदूरी भी उनसे
निकलवा के गटक जात हो,
परिवारवाद तो राजनीति में कोई
बड़ी बात नही,
सारी सरकारी सुविधा परिवार
तक ही सीमित कर देत हो,
फरवरी में होई जब ग्राम
पंचायत के चुनाव,
तो वोट मांगे के खातिर चल
देइहीं दयावन चेहरा लइके,
भइया, दादा, बेटवा हमहीं के
वोट देहा
ल कौनो बीमारी होय त पैसा
पकड़ा करावा दवाई,
पर जब वोट के समय आयी
तो हमारे निशान वाला बटन दबाई,
हमरे हियाँ दुइ दुइ शेर हैं ठाकुर
शेर तो दुबे सवा शेर हैं,
देखा का होई एह बार या दुबे फेर
आइहीं या अबकी बदली सरकार,
हमका का है केउ आवे करिहीं
सब जनता पर ही अत्याचार ।

अंकुल त्रिपाठी निराला
(प्रयागराज) उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मेरा कोटि कोटि नमन...

अपना हस्ती मिटा कर
जिन्होंने,सुरक्षित रखा वतन,
उन जाबाज़ शहिदों को मेरा
कोटि कोटि नमन...
देशसेवा के लिए जिसने अपने
लाल को किया अर्पण,
उस वीर की मां को मेरा कोटि
कोटि नमन.....
टुटी नही वो अडिग रही,
परिवार का किया संरक्षण,
आंसू पोंछकर जिसने घर
संभाला,उस वीरवधु को मेरा कोटि
कोटि नमन

नंदिता माजी शर्मा
मुबंई, महाराष्ट्र ।

धनतेरस के दिन मैंने अपनी मां को खोया

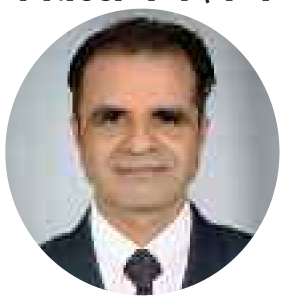

धनतेरस के दिन मैं, परिवार
सहित बहुत रोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस
दिन मैंने अपनी मां को खोया
लोग उस दिन सोना चांदी
खरीदे, मैंने मां की अर्थी ढोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस
दिन मैंने अपनी मां को खोया
लोगों ने दीवाली धूम धाम से
मनाया, मैंने सिर पे पगड़ी रस्म की
पगड़ी बंधाया
भाईदूज पर बहन के साथ
बहुत रोया, चेहरा आसुओं में डुबोया
मां की कमी बहुत महसूस हुई,
फिर मैं बहुत रोया
कैसे कटेगी जिंदगी, ये सोच
दिल घबराया और रोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस
दिन मैंने अपनी मां को खोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस
दिन मैंने अपनी मां को खोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस
दिन मैंने अपनी मां को खोया

एड किशन भावनानी
गोंदिया, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

नशा मुक्ति

बड़े होंगे बच्चे ये आस माँ
बाप लगाते हैं
लेकिन कई बच्चे छुप छुपा के
नशे की दलदल में गिर जाते हैं

पूरा ही परिवार बड़ी मुश्किल
से जिंदगी बिताता है
जब किसी के परिवार का कोई
नशे में पड़ जाता है
नशे के बारे में हमको अपने,
बच्चों को समझाना होगा
क्या हैं इसके बुरे प्रभाव ये
उनको बतलाना होगा

नशे बंद कभी नहीं होंगे, ये भी
हम सब जानते हैं
बच्चे या नशे करने वाले इस
बात को कहाँ मानते हैं

फिर भी एक जुट होकर
हमको घर घर संदेश पहुंचाना होगा
नशे है एक बुराई दोस्तो, इस
बुराई को जड़ से मिटाना होगा

करमजीत कौर
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब ।
www.womenexpress.in

यथार्थ सत्य

कभी सूखे दरख्त को देखो तो,
सौ बार मुड़ कर देखो,
क़ई सवालों को लिए वो खड़े
होते है,
समझो उनके अनकहे सवालों को।
कभी भाइयो के बीच खड़ी
दीवार को,
देखो ठहर के देखो की माँ बाप के,
आंसुओं से सींची उस दीवार
की नमी,
आपस कुछ कह रही होती है।
कभी किसी मासूम को भूख से,
बिलखते भीख मांगते देखो तो ज़रा,
हृदय को पसीज कर देखो की,
बचपन कैसे मुफ़लिसी में मैला हो
खो गया वो चीख चीख कर,
कह रही होती है।
कभी किसी नदी के किनारे,
बह रहे धार को देखो तो,
नज़रभर कर देखो की,
सीखा रही होती है कि समय की,
धारा में सब कुछ बह जाएगा,
हम तुम ये युग सबकुछ।
कभी चाँदनी रात हो तो चाँद को,
देखी तो एकटक देखो की,
बताने को बेताब है चाँद की
अंधेरे में,
कैसे खुद को चमका रखा है,
उसकी चाँदनी की चादर को,
लपेट कर महसूस करो उस
ठंडक को।

डिम्पल राकेश तिवारी
अयोध्या, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

रुलाते क्यो हो

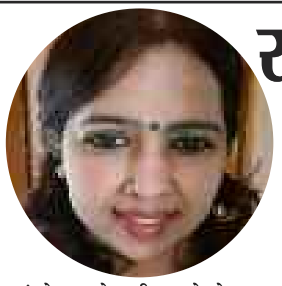

यूं तोहमत ये झूठी लगाते हो क्यू,
सनम तुम मुझे यू रुलाते हो क्यू?
की है मुहब्ब त फिर शिकवा है क्यु,
एहसास गुनाह का कराते हो क्यू?

गर छोड़ना हो साथ मेरा राह में कहीं,
सनम फिर सपने सजाते हो क्यू?
था शख्सियत उड़ता राख सा मेरा,
बेवजह दिया जलाकर बुझाते होक्यू?
तोड़ना है दिल मेरा शीशे सा यूँ,
आशियां फिर प्यारका बनाते हो क्यू?

हकीक़त कहा है मिलन हमारा,
कहो ख्वाब में रोज आते हो क्यू?
नहीं है मुहब्बत हम से तुम्हें,
सनम तुम फिक्र फिर जताते हो क्यू?

कहां हो बेख़बर तुम ख़बर से मेरी,
कर के बेरुखी फिर सताते हो क्यू?

करुणा कलिका
बोकारो स्टील सिटी, झारखंड ।
www.womenexpress.in

पशु आहार की भी सुध लेवें

तम्बाकू को पुर्तगीज लोग भारत लाए थे। सर्वप्रथम कोलम्बस ने अमेरिका में वहाँ जे निवासियों की तम्बाकू पीते देखा था। तम्बाकू की खेती को रक्षा करने की आवश्यकता नही पड़ती।क्योकि संसार का कोई भी पशुपक्षी इसके पत्ते नही खाता। केवल एक प्रकार का कीड़ा है, जो तंबाकू के पत्ते पर पैदा होता है। और उसे खाता है। जिस भूमि में तम्बाकू बोयी जाती है।वह भूमि खराब हो जाती है।भूमि में तम्बाकू बोयी जाती है। जिसमे अनाज नही बोया जाता।यदि बोया जाता है तो उपज जैसी चाहिए वैसी नही होती।तम्बाकू की खेती से पशुओं के लिए चारे के संकट दिनों दिन गंभीर होता जा रहा है। पशुपालन, घी दूध महंगा होता जा रहा है।चारे के अभाव होने से पशुओं के लिए चारे का आहार का प्रतिशत काफी कम हुआ।चरवाह भूमि में बरसात में उगी घास से वे अपना उदर पोषण कर लेते मगर शेष मौसम उनके लिए दुखदायी होते है। पशुओं के लिए खेत मे कुछ भाग चारे जैसी फसल के लिए रखना आवश्यक है। तम्बाकू, एवं फलों आदि की फसल से चारे का पशुओं के लिए मिलना कठिन होता है। महंगे भाव का चारा बाहर गांव जाकर खरीद कर खिलाते है। जो उनके बजट के अनुकूल नही होता। खेत भी अब कालोनियों में तब्दील होते जा रहे है। भविष्य में पशुओं के आहार की समस्या विकराल रूप ले

लेगी।शासन द्वारा कम रुपयों में गांवों में हरा, सूखा चारा उपलब्ध कराना होगा ताकि पशु आहार सुलभता से उपलब्ध हो सके।साथ ही किसानों को भी पशु आहार हेतु कुछ भाग में चारा लगाया जाना चाहिए।

संजय वर्मा
मनावर (धार)मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

मारडोना के निधन पर सचिन, गांगुली रोनाल्डो और मेसी ने जताया शोक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । क्रिकेट लीजेंड भारत के सचिन तेंदुलकर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरभ गांगुली, पुर्तगाल के महान फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मैसी ने फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक अर्जेंटीना के डिएगो माराडोना के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। तेंदुलकर ने भी ट्वीट कर अर्जेंटीना में भगवान का दर्जा रखने वाले डिएगो माराडोना को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा, 'फुटबॉल और खेल जगत ने आज अपना एक महान खिलाड़ी खो दिया। आप हमेशा याद किए जाएंगे।' गांगुली ने ट्वीट कर माराडोना को याद किया। उन्होंने ट्वीट किया, 'मेरा हीरो अब नहीं रहा। मेरा जीनियस अब हमारे बीच नहीं है। मैं

केवल आपके लिए ही फुटबॉल देखा करता था।' रोनाल्डो ने ट्वीट कर माराडोना को अद्वितीय जादूगर बताया। उन्होंने ट्वीट किया, 'आज मैं अपने एक दोस्त को अलविदा कह रहा हूं। आप हमें जल्दी छोड़कर चले गए, लेकिन आप अपने पीछे असीमित विरासत छोड़ गए हैं। आपकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकेगा। आपको कभी नहीं भूल पाएंगे।' डिएगो माराडोना को उनके हमवतन और मैसी ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मेसी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की है। उन्होंने तस्वीर साझा करते हुए लिखा,'अर्जेंटीना के सभी लोगों और फुटबाल के लिए बहुत ही दुखदः दिन। वह हमें छोड़कर चले गए लेकिन वह ज्यादा दूर नहीं जा सकते क्योंकि माराडोना अमर हैं। मैं उस महान इंसान के साथ बिताए गए सभी अच्छे पलों को याद करते हुए उनके परिजनों के साथ अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।'

भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने माराडोना के निधन को बहुत बड़ा नुकसान बताया। उन्होंने ट्वीट किया, 'यह एक अपूरणीय क्षति है। हमारे बचपन का स्टार, जिन्होंने हमें खुशी और जश्न मनाने के कई मौके दिए। आप हमारे दिल और यादों में हमेशा रहेंगे।' अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी ट्वीट कर माराडोना को श्रद्धांजलि दी।

अजय देवगन ने शुरू की 'भुज द प्राइड ऑफ इंडिया' की शूटिंग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 26 नवंबर। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन ने अपनी आने वाली फिल्म भुज द प्राइड ऑफ इंडिया शूटिंग फिर से शुरू कर दी है।

कोरोना महामारी के चलते हुए लॉकडाउन के साथ कई फिल्मों की शूटिंग रूक गई थी। अनलॉक के साथ सरकार द्वारा निर्धारित गाइड लाइन के अनुसार फिर से फिल्मों की शूटिंग शुरू हुई। अजय देवगन भी अपनी अधूरी फिल्म की शूटिंग पूरी करने के लिए लौट आए हैं। अजय देवगन करीब आठ माह बाद अपनी अधूरी फिल्म भुज द प्राइड ऑफ इंडिया की शूटिंग पर लौट आए हैं। इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने हैदराबाद में शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग तो अजय देवगन ने पहले ही खत्म कर दी थी। लेकिन अब कुछ ही दिन का काम और शेष बचा है। जिसे अजय

जल्दी पूरा करने का मन बना चुके हैं और उन्होंने भुज द प्राइड ऑफ इंडिया की शूटिंग हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी में शुरू कर दी है। इस फिल्म में अजय देवगन भारतीय वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक का किरदार निभाएंगे। यह एक वॉर एक्शन फिल्म है, जो सच्ची कहानी पर आधारित है, यह फिल्म 1971 के भारतपाकिस्तान युद्ध पर आधारित है। जिसमें अजय देवगन इंडियन एयरफोर्स के विंग कमांडर का किरदार निभा रहे हैं।

गाजियाबादी भाषा सीख रही है कियारा आडवाणी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी आने वाली फिल्म 'इंदु की जवानी' के लिये गाजियाबादी भाषा सीख रही है। कियारा आडवाणी फिल्म 'इंदु की जवानी' के लिए काफी कुछ नया सीख रही हैं। वह इस फिल्म में अपने किरदार को रियल दिखाने के लिए भी तैयारियां कर रही हैं। कियारा अपने किरदार को लेकर गाजियाबाद की आम बोलचाल वाली भाषा सीख रही हैं। कियारा ने बताया, 'अबीर को पता है कि इंदु कैसे चलती, बोलती है। साथ ही उन्होंने फिल्म के लिए अच्छे डायलॉग भी लिखे हुए हैं, जिससे फिल्म में और भी जान आ जाएगी। हमने शूटिंग के पहले करीब दो महीनों तक एक साथ समय बिताया, ताकि मैं अपने किरदार इंदु के बारे में अच्छी तरह जान सकूं।' कियारा की फिल्म के गाने का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर वीडियो में कियार ठुमके लगाती नजर आ रही हैं।

रोहित के बिना आस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगी टीम इंडिया

सिडनी, 26 नवंबर । नयी जर्सी और कोरोना काल में नये माहौल के बीच भारतीय क्रिकेट टीम आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगी तो शुक्रवार को पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में उसे अपने 'हिटमैन' रोहित शर्मा की कमी खलेगी। चोटिल रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी से बल्लेबाजी क्रम पर असर जरूर पड़ेगा।

विराट कोहली की टीम ने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मैच मार्च की शुरूआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रही टीम का सामना अब आस्ट्रेलिया जैसे धुरंधर से है जिसे उसकी धरती पर हराना कतई आसान नहीं होगा। भारतीय टीम 1992 विश्व कप की नेवी ब्लू जर्सी में नजर आयेगी। अंधविश्वासों को मानने वाले इसे अच्छा संकेत नहीं कहेंगे क्योंकि उस टूर्नामेंट में भारत नौ टीमों में सातवें स्थान पर रहा था। वैसे क्रिकेट में अतीत का प्रदर्शन मायने नहीं रखता। आस्ट्रेलिया में फोकस इस पर रहेगा कि रोहित की अनुपस्थिति में टीम संयोजन सही कैसे बन पाता है। शिखर धवन के साथ मयंक अग्रवाल पारी का आगाज करेंगे या शुभमन गिल, मिशेल स्टार्क या पैट कमिंस की गेंदों को झेलना आसान नहीं रहेगा। भारतीय बल्लेबाजों का सामना सर्वश्रेष्ठ तेज आक्रमण से होने जा रहा है ।

स्टार इंडिया ने 2024 तक सीएसए के मीडिया अधिकार हासिल किए

नयी दिल्ली। स्टार इंडिया ने 2023-24 सत्र के अंत तक क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के मीडिया अधिकार हासिल कर लिये हैं जिसमें भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 20 द्वीपक्षीय मुकाबले भी शामिल हैं। ये अधिकार एशिया, पश्चिमी एशिया और उत्तर अफ्रीका के लिए होंगे। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस करार की शुरुआत शुक्रवार से शुरू हो रहे इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीका दौरे से होगी। भविष्य दौरा कार्यक्रम के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम इस दौरान घरेलू सरजमीं पर 59 मैच खेलेगी जिसमें भारत, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ श्रृंखलाएं शामिल हैं।

स्कूल में मेरे इनरवियर निकाल देते थे लड़के: मसाबा गुप्ता

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रसे नीना गुप्ता और उनकी बेटी मसाबा गुप्ता हमेशा सुर्खियों में रहती है। हाल ही में मसाबा ने अपने पर्सनल लाइफ के कुछ ऐसे पहलू उजागर किया जिसे सुनकर हर कोई चौक गया। हाल ही में उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें उनके रंग और माता पिता के रिश्ते को लेकर लोगों और ताने सुनने पड़ते थे। उन्होंने अपने बचपन के उस सीक्रेट के बारे में बताया जिसे शायद ही आप जानते होंगे। मसाबा ने एक मीडिया हाउस से बात करते हुए कहा कि मुझे अपने रंग को लेकर हमेशा सुनना पड़ता था जब भी मैं अपने दोस्तों से पूछती थी मुझ पर कौन सी ड्रेस सही लगेगी। इस पर वो सभी मेरे कलर का मजाक उड़ाते थे।

मलयालम फिल्म 'हेलेन' के रीमेक में काम करेंगी जाह्नवी कपूर !

मुंबई, 26 नवंबर। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर मलयालम फिल्म 'हेलेन' के रीमेक में काम करती नजर आ सकती है। श्रीदेवी और बोनी कपूर की पुत्री जाह्नवी कपूर ने वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में कदम रखा था। अब वह लगातार एक के बाद एक अपने नए प्रोजेक्ट्स साइन कर रही हैं। कहा जा रहा है कि जाह्नवी ने मलयालम फिल्म 'हेलेन' का हिन्दी रीमेक साइन किया है। बताया जा रहा है कि जाह्नवी फिल्म के ज्यादा हिस्सों की शूटिंग लखनऊ और उत्तर प्रदेश की कई अन्य लोकेशन्स में करेंगी। फिल्म की शूटिंग अगले 23 महीनों में शुरू कर

दी जाएगी। जबकि शूटिंग से पहले की अन्य तैयारियां शुरु हो चुकी हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी ओरिजिनल फिल्म 'हेलेन' के निर्देशक माथुकुट्टी जेवियर ही करने वाले हैं। जबकि बोनी कपूर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'हेलेन' की कहानी एक युवा नर्स के इर्दगिर्द घूमती है। जो कनाडा में रीलोकेट होना चाहती है। लेकिन उसकी जिंदगी में कुछ अजीब स्थिति पैदा होने लगती है। एक दिन वह काम से घर ही नहीं लौट पाती और जैसे कहीं गायब हो जाती है। जाह्नवी कपूर,करण जौहर की 'तख्त' और 'दोस्ताना 2' में नजर आने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों के साथसाथ वह हॉरर कॉमेडी 'रूहीअफ्जा' में भी नजर आयेंगी।

कुछ बहका है...

तेरे दुनिया में आकर जिंदगी ,
कुछ जी लिए कुछ बहका है ।
ये महफिल में जाम ए बेखुदी ,
कुछ पी लिए कुछ छलका है ।
उघेड़ते भी रहे हम बंदगी !
बुनते भी रहे हम जिंदगी !!
उधेड़बुन के बीच ये खामोशी ,
कुछ सी लिए कुछ उघेड़ा है ।
जमाने निगाहों की पहरेदारी !
कैद हुआ जिंदगी चार दिवारी !!
अपने ही घर में मेहमां सरपरस्ती ,
कुछ बीत गए दिन कुछ ठहरा है ।

दिल दरिया इश्क समंदर !
यह नैन तेरे इश्क समंदर !!
इन नैनो के अश्क़ सूखते नहीं ,
कुछ पी लिए कुछ छलका है ।
इन तमाम शहरों में पाबंदी है !
फिर भी मिलने को रजामंदी है !!
जिद है उनकी मिलना है जरूरी ,
कुछ मिल गए कुछ बिछड़ा है ।
याद भी क्या ज़ालिम बला है !
सदियों से हमारा सिलसिला है !!
मज़ार पर आकर दो फूल चढ़ा गए ,
कुछ पिरो लिए कुछ यूं ही बिखरा है ।
तेरे दुनिया में आकर जिंदगी ,
कुछ जी लिए कुछ बहका है ।
ये महफिल में जाम ए बेखुदी ,
कुछ पी लिए कुछ छलका है ।।

मनोजवम
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

पटरी पर लौटती जिन्दगी

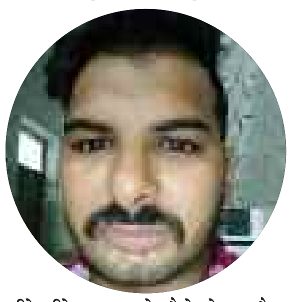

धीरे धीरे सब पहले जैसे हो रहा है,
हाँ अब भी इन्सान कोरोना को
रो रहा है,
पर अब सभंलकर, और
जागरूक हो सब चल रहे है,
अब ना वो ड़र वाले कल रहे है।
पटरी पर लौटती जिन्दगी नज़र
आ रही है,
हाँ अब ये जिन्दगी मुस्कुरा रही है,
बहुत हो गा चुके भय और
खौफ़ के गीत,
अब ये जिन्दगी हर्षोल्लास के
गीत गा रही है।
रहना पड़ा जब लॉकडाउन मे घर पर,
टैंशन आ गई थी तब सब के सर पर,
सब भविष्य की सोच मे डूब गए थे,
पर अब हँसती नजर आ रही जिन्दगी।
ये तो जिन्दगी का असूल है,
इम्तहान लेना इसका रूल है,
हमारा सोचना फिजूल है,
अपनी ही चला रही है जिन्दगी।
जितना ज्यादा डर और भय है दिखाती,
उससे दौगुनी खुँशिया है ले आती,
धवन अब भी है सब को
अजमा रही जिन्दगी,
धीरे धीरे पटरी पर आ रही जिन्दगी।

अनिल धवन
सिरसा ।
www.womenexpress.in

जीवन रथ कुछ यूँ चलता जाए

सन्मार्ग कि ओर अग्रसर रहे
आए कितनी ही बाधाए,
तनिक न विचलित हो मन मेरा
जीवन रथ कुछ यूँ चलता जाए।।

संयम के घोड़े हों, भ्रमित न मन हो
घोर अँधेरा जब क्यू न छाए ,
गम के बादल क्यूँ न मंडराए
साहस, हिम्मत, निर्भीकता से
जीवन रथ कुछ यूँ चलता जाए।।
कंटीले, पथरीले, टेढेमेढ़े

बाधाओं भरा भले हो सफर,
मंजिल को अपनी भूलूँ नहीं
कर स्वीकार सब चुनौतियों को
जीवन रथ कुछ यूँ चलता जाए।।

चाहे दूर हो कितनी मंजिल,
संयमी , धैर्यवान, सारथी बन
सुन्दर,सार्थक जीवन सफर में
जीवन रथ कुछ यूँ चलता जाए।।

प्रकृति का नियम यही है,
जीवन मेला हो कितना ही मनोरम
शाम ढले बिछड्ना सबको,
नश्वर है जीवन, सार्थक हो जीवन
सखि जीवन रथ कुछ यूँ
चलता जाए।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

तेरी यादें जीवित रहेंगी...

आँखों में बसी तेरी तस्वीर..
मिटाना चाहता हूँ..
हर वो स्मृतियों को भुलाना
चाहता हूँ..
तेरी गर्म साँसों की गुलाब सी खुश्बू..
जो मेरे जेहन में अभी भी
महक रही है..
विदेशी इत्र भी छिड़कने पर भी..
जरा भी कम नहीं होती..
तेरे प्रीत की महक जो वर्षों से
मेरे तन मन पर छाई हुई है..

अभी भी दिल के किसी कोने में..
तेरा शायद हो रहा है इंतज़ार..
जो तेरा मेरा जन्मों साथ रहने का
हुआ था करार..
वो इज़हार..
चुपके चुपके साथ घूमना..
कितनी खुशियाँ मिलती थी अपार..
बस! अब तो बची हैं तेरी स्मृतियां..
पत्थर पर लकीर खींचने से..
निशान पड़ जाते हैं..
पर तेरी यादें पत्थर से भी
ज़्यादा..
अमिट छाप छोड़ चुकी हैं मेरे
अंतर्मन में..
काश! तेरी क्या मजबूरी रही..
भले ही तू न मिल सकी..
तेरी यादें शायद अब न मिट सकेंगी
मेरे अंतिम सांस तक जीवित रहेंगी...

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश] ।
www.womenexpress.in

लघुकथा- बेड़ियाँ

मैं तो यू एस से से वापिस लौटकर अपने मम्मी.पापा के पास ही रहूँगी उन्होने मेरी ज़िंदगी बनाने के लिए बहुत त्याग किए हैं

रीना हँसते हुए अपने रूम पार्टनर से बोली

श्चल छोड़ नए ये सब बातें रहने देए और जो रोज़ आंटीजी के फोन आते हैंए कोई लड़का पसंद हो तो वहीं बस जाए हम वहीं आकर तेरा कन्यादान कर देंगे द्य नहीं तो जल्दी फाइनल ईयर पूरा होते ही वापिस आ जा हमने तेरे लिए अच्छे लड़के देखे हैं इन सब का कोई जवाब है तेरे पास ! बोल ! रीना की मित्र मिरांडा ने कहा श्कितना भी ऊपर तक पहुँच जाओ सर्र से आना वहीं है नीचे शादी योग्य वर अच्छा घर और बेशुमार डिग्रियों धन.दौलत नौकर.चाकर के बावजूद भी यदि पुरुष सरीके ज़रा घर छोड़ हर वक्त दौरे पर रहना पार्टियों में जानाए चार दिन बाद ही पुरुषत्त्व फूट.फूटकर रो पड़ेगा सो कोल्ड प्राणनाथ का रीना द ऐसा कुछ नहीं होगा यू डोंट वरीए मुझे खुद पर भरोसा है मैं उसको भी मम्मी. पापा के साथ रखूँगी

मिरांडा दृ चलो मान लिया ऐसा कुछ नहीं होगा मगर इसकी क्या गेरेंटी है कि जीवन भर वो वहाँ रहना ही न चाहेए या तुम्हारे मम्मी.पापा के साथ किसी बात पर अनबन हो जाए या तुम्हारा यूँ प्रोफेशनल रहना उसको न भाएएअकड़ कर चलता बने ! कुछ समय बाद आई मीन टू से नोट देट पर हो तो कुछ भी सकता है। मेरी एक बात ध्यान रखना रीना ये जो बेड़ियाँ हैं न हम हिंदुस्तान की औरतों के पैरों मेंए हम उड़ते तो आसमान में हैं बैठते बड़ी गद्दियों पर हैं पर कोई इनको खींचकर रखता है रीमा एकटक खिड़की से डूबते हुए सूरज को ध्यान से निहारती रहती है

भावना अरोड़ा मिलन
शिक्षिका एवं लेखिका
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

दर्द चीख कर मौन हो गया

दर्द चीख कर मौन हो गया
हृदय हुआ बेचारा
चीख गूँजती फिर अबला की
दहला है जग सारा
द्वापर में पांचाली चीखी
कथा वही कलियुग में
पात्र बदलते ही रहते हैं
सार यही हर युग की
नियति सुनिश्चित है नारी की
नयन में अश्रु धारा

दर्द चीख कर मौन हो गया
हृदय हुआ बेचारा
चिकनी चुपड़ी मधुर मनोहर
बातें मीठी बोले
जबतक प्रेमी बनकर आये
भेद कभी ना खोले
रस्म निकाह हुई जब पूरी
गिरगिट रंग उभारा
दर्द चीख कर मौन हो गया
हृदय हुआ बेचारा
छद्म वेश धर कर वह आया
सब्जबाग दिखलाया
कभी कपट से कभी कटारी
कभी अम्ल नहलाया
गगन पवन सब चुप हैं सारे
अरु चुप है जलधारा
दर्द चीख कर मौन हो गया
हृदय हुआ बेचारा
केवल पुरुष नहीं है दोषी

सहभागी नारी भी
यौतुक प्राप्ति हेतु नारी ही
शत्रु बड़ी नारी की
बिन दहेज आयी दुलहन को
धन लोलुप ने मारा
दर्द चीख कर मौन हो गया
हृदय हुआ बेचारा
हृदय विदारक क्रंदन करती
पाकशाल दीवारें
कभी सिलिंडर कभी करोसिन
मिलजुल वधु को मारें
घृणित प्रथा है यह सामाजिक
लोभ बना हत्यारा
दर्द चीख कर मौन हो गया
हृदय हुआ बेचारा

अनंत पुरोहित
महासमुंद (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

मायके का आँगन

कहता है मायके का आँगन
सुना पड़ा यह घर द्वार है।
बिटिया बन गई अब सुहागन
वही उसका अब संसार है।

घूम आई मायके से अपनी
लेकर विदाई बहुएँ सारी।
अब तो न करो मनमानी
अब की बार है तुम्हारी बारी।

बरसों बीत गए हैं लेकिन
आई नहीं कोई खोज ख़बर।
अब तो आँगन सुना पड़ा है
टूटने लगा अब सबका सबर।

माँ का आँचल अब रोता है
पिता की गोद भी तड़प रही।
भाई का सपना जैसे टूटा है
बहन की मेहंदी भी रूठ रही।

मायके का आँगन तुम्हें पुकारे हैं
अब तो आ जाओ ननदिया रानी।
हम भाभियाँ भी अकेली रहती हैं
जब नहीं सुन पाती तुम्हारी कहानी।

गीतिका पटेल
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

आराध्य आराधना

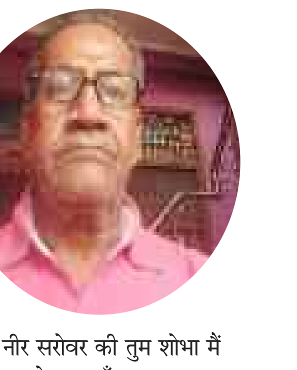

नीर सरोवर की तुम शोभा मैं
महेश का हूँ प्याला
गगनामृत का पान करो तुम मैं
तो पीता हूँ हाला
ब्रह्मा तुममें तुम ब्रह्मा की मैं
हूं मन का मतवाला
तुम विष्णु पर चढ़ने वाली मैं
शिव भभूति रमने वाला
हंस वाहिनी कि तुम प्रतिमा मैं
आराधक उस प्रतिभा का
किसलय की कोमल डाली तुम
मैं पर्णी हूँ मरुधर का

मलयालय की तुम वयार हो मैं
समीर हूं पतझड़ का
प्रकृति नटी की तुम आभा हो
मैं अधीन हूँ माया का
करूं वंदना निशदिन प्रतिपल
सृष्टि के जीवनदायक का
निष्फल मिलकर कृत्य करें हम
जीवन सफल बनाने का
सर्वत्र निरामय का नारा हो
सबके सुखमय जीवन का
तूफान उठा था उत्तर से दक्षिण
में अवसान हुआ
धुधक रहा था अन्तर्मन में
सागर तल में शांत हुआ
सात समुन्दर दूर ठिकाना पार
लगाने अड़ा हुआ
सदा ऋणी हूँ उस गुरुवर का
योगी वन अवतरित हुआ

बच्चू लाल दीक्षित
दबोहा भिंड (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

परिजन आकांक्षा

कितना उत्साह भरा उस दिन
जब पोता घर में जन्मा था
अभिवादन में तोप चली घर
बाहर शोर मचाया था

झटपट बुलवाया पंडित को ग्रह
नक्षत्र दिखलाने को
मुंह मीठा कर पंडित का पूछा
भाग्य बताने को
पंचांग खोलकर पंडित ने गुणा
भाग कर बतलाया
नक्षत्र मूल में जन्मा है लक्षण
शुभ यह समझाया

तीव्र बुद्धि होगी इसकी
मनमौजी और जिद्दी होगा
पढ़ लिख कर हो अधिकारी या
अब्बल व्यापारी होगा

सुनकर भविष्यवाणी पर आंगन
खुशहाली छाई
रतजगा मनाया माता ने घर घर
में बज गई बधाई
पढ़ लिख कर जब बड़े हुए
जोबन ने ली अंगड़ाई

तब सुंदर सुकुमार सुसंस्कृत
दुल्हन आंगन में आई
श्रवण कुमार सा पुत्र मिला
आज्ञाकारी सेवक होगा
वनिता घर की शोभा होगी बेटा
घर का रक्षक होगा

कितना उत्साह भरा उस दिन
जब शादी करके लाया था
साक्षात लक्ष्मी आई है सासु ने
शोर मचाया था
मालूम नहीं था यह उनको ये
देवी या रणचंडी है

अंदर अंगारे धुधक रहे ऊपर से
ठंडी ठंडी है

संग्राम छिड़ रहा है घर में जब
बेटे को यह बतलाया
भड़क उठा वह पल भर में
गुस्से में यों इठलाया
भोली भाली सी यह लक्ष्मी क्या
दासी के लायक है
मम्मी पापा को समझ नहीं यह
वाइफ मेरी लाइफ है

सुन बेटा मैंने माना तेरे भी कुछ
सपने हैं
शांत हृदय से सोच जरा हम भी
तो तेरे अपने हैं
जीवन भर प्यार से सींचा तब
तूं पौधा वृक्ष बना
समरस जब हो जायेगा तब
होगा पूरा सपना
तब होगा पूरा सपना

बच्चू लाल दीक्षित
दबोहा भिंड (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

कोरोना का कहर

लौट आया फिर से वो ही
कोरोना का कहर..
चुनाव और दीपावली बाद फिर
जागा मेरा शहर..
सख्ती और कार्यवाही से अब
अभियान चलेगा
अस्थायी कारागारों में गुज़रेगी
नासमझों की पहर...
मास्क और सैनिटाइजर फिर से
निकाले जाएंगे
सड़को चौराहों पर तैनात जवान
नज़र आएंगे
फिर से फटेंगे कोरोना बम और
गूंजेगी खबरें
फिर से लोग दहशत में आकर

घर बैठ जाएंगे
दो हज़ार बीस कोसते दो हज़ार
इक्कीस आ जाएगा
शादियों और नए साल की धूम
पर खतरा मंडराएगा
व्यपारी चिंतित, पालक परेशान,
गरीब क्या खायेगा
डर और खौफ का फिर नया
माहौल बन जायेगा
बिगड़ते हालातों पर प्रशासन
बनाएगा नई नीति
लोगों के मन मे सवाल
लॉकडाउन लगेगा या नही
काढ़े और तमाम एहतियात अब
से बरतना पड़ेगा
आंकलन करेंगे घर बैठे क्या
गलत हुआ क्या सही
जिन्होंने खोया अपनो को,
उनके दर्द उभर आएंगे
खो न जाये कोई अपना लोग
चिंता में सहम जाएंगे
दूसरा वर्ग बटेगा महज़ सर्दी

जुकाम का नाम देकर
ऐसे लोगों के कारण ही दुसरे
भी चपेटे में आएंगे
क्यों न चलो एक आसान सा
काम किया जाए
क्यों टोके भला कोई हमको,
हम खुद ही सम्भल जाए
जहां इतना कुछ भुगता थोड़ा
समय और सही
नुकसान मुनाफे से बढ़कर जान
को महत्व दिया जाए
आयी है विपदा तो मिल
झुलकर सामना करेंगे
खुद सतर्क होकर अपनो संग
विजयी बनेंगे
जो बीत रहा उसको खुशी से
बीत जाने दो
पीढ़ी के इस अनुभव को बरसो
तक सहज के रखें

सारिका जागृति
ग्वालियर (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

एक नजर

अमेजन ने नहीं किया सरकार के नियमों का पालन, लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। सरकार ने ईकॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन द्वारा अपने मंच पर बिकने वाले उत्पादों के बारे में अनिवार्य सूचना उपलब्ध नहीं कराने के लिए जुर्माना लगाया है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, कंपनी पर यह जुर्माना उत्पाद के मूल देश तथा अन्य सूचनाएं प्रदर्शित नहीं करने के लिए लगाया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इस तरह की सूचनाएं उपलब्ध नहीं पर पिछले महीने फ्लिपकार्ट और अमेजन को नोटिस जारी किया था। अमेजन सेलर सर्विसेज और उसके सभी निदेशकों पर विधिक माप विज्ञान कानून, 2009 तथा विधिक माप विज्ञान नियम, 2011 के तहत 25,000 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। फ्लिपकार्ट के मामले में जांच के बाद किसी तरह का उल्लंघन नहीं मिला है।

यूपी में कोविड से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश

कोविड के नियमों के नाम पर उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 26 नवम्बर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड19 से बचाव के सम्बन्ध में लोगों को निरंतर जागरूक किये जाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि आमजन को कोविड19 की गाइडलाइन्स का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। गाइडलाइन्स के नाम पर उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने लोगों से कोविड19 के प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विवाह समारोह के लिए नजदीकी पुलिस थाना/चैकी को सूचना देकर तथा कोविड19 की गाइडलाइन्स का पूर्ण पालन करते हुए यह आयोजन सम्पन्न किये जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शादी समारोह में बैण्ड बजाने, डीजे बजाने पर कोई रोक नहीं है। यदि कोई पुलिस अथवा प्रशासनिक अधिकारी बैण्ड बजाने या डीजे बजाने से रोकेगा तो ऐसे कर्मियों की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शादी समारोह में शामिल होने के लिए अनुमन्य की गयी लोगों की संख्या, इस आयोजन में सम्मिलित होने वाले अतिथियों एवं पारिवारिक सदस्यों के सम्बन्ध में है।

मुख्यमंत्री ने कोविड19 की मेडिकल टेस्टिंग के कार्य को पूरी क्षमता से संचालित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि कोविड19 के 1.5 लाख से 1.75 लाख टेस्ट प्रतिदिन किये जाए। इनमें से 40 प्रतिशत टेस्ट आर0टी0 पी0सी0आर0 विधि से तथा शेष 60 प्रतिशत टेस्ट रेपिड एण्टीजन विधि से किये जाए। उन्होंने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग के कार्य को पूरी गति से संचालित करने के निर्देश भी दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सुबह कोविड अस्पताल में तथा शाम को इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में प्रतिदिन अनिवार्य रूप से समीक्षा बैठक आहूत की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड 19 की रिकवरी दर को बेहतर किया जाए। जिस जनपद में कोविड19 से एक से अधिक मृत्यु हो, ऐसे जनपदों के जिलाधिकारियों से मुख्य सचिव कार्यालय तथा मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जाए। उन्होंने यह निर्देश भी दिये कि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य इन जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से तथा अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा चिकित्सा संस्थानों के प्रधानाचार्य से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद स्थापित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक उपयोग करते हुए लोगों को कोविड19 से बचाव के सम्बन्ध में जागरूक किया जाए। आई0सी0यू0 बेड्स की संख्या में वृद्धि की आवश्यकता का आकलन करते हुए इस सम्बन्ध में समय से जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कोविड चिकित्सालयों में औषधियों, मेडिकल उपकरणों तथा ऑक्सीजन की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं।

ज्ञानवंत सिंह को जांच से बचा रही है ममता सरकार: धनखड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को ममता सरकार पर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी ज्ञानवंत सिंह को बचाने का आरोप लगाया और सवाल किया कि जब उनके कृत्यों को ही अदालत ने असंवैधानिक ठहराया है तथा इसे बिना कानूनी मंजूरी के लोगों के जीने के अधिकार का अतिक्रमण करार दिया है तो ऐसे में राज्य सरकार उन्हें क्यों बचा सकती हैं। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने 14.08.08 के अपने फैसले में कहा था कि उस समय पुलिस मुख्यालय में तैनात उपायुक्त सिंह ने एक लोक सेवक के कर्तव्य का निर्वहन करते हुए बिना कानून की इजाजत के लोगों के जीने के अधिकार पर अतिक्रमण किया और न्यायालय ने उनकी कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिया था। सुझाव के अनुसार यदि राज्य के पुलिस विभाग अधिकारियों के खिलाफ यदि कोई कार्रवाई की जाती है।

सेना नायक कलीराम खिप्पल को समर्पित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और सम्मान समारोह आयोजित

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

करनाल। करनाल मानव सेवा संघ में राष्टपति पुलिस पदक, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ0 अशोक कुमार वर्मा द्वारा भारतीय सेना नायक कलीराम खिप्पल की पुण्यतिथि पर 311वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया और राष्ट स्तरीय सम्मान समारोह में 100 विभूतियों को कोरोना यौद्धा से सम्मानित किया गया। डॉ. जगदीश राम आत्रेय जबकि शशिकांत शर्मा इसके अतिरिक्त नवीन सरदाना, मनीष भार्गव, प्रशांत शर्मा, राम शरण शर्मा, विजय कुमार, प्रदीप गर्ग, सतपाल, ईश्वर, शमशेर, नवीन कुमार, कमलजीत सिंह, राजिंदर, सुरजीत, चेतराम बेनीवाल, नरेश खिप्पल, नरेश कुमार, संदीप, मोहित चौहान, जितेन्द्र, अमर सिंह, राकेश शर्मा, कृष्ण लाल, संजय कुमार, लालजी, अमित सिंह, विनोद वर्मा, नवीन खिप्पल, रविकांत, संजय कुमार, पवन धीमान, विकास, ऊषा लाठर सहित अनेक युवाओं ने रक्तदान किया। इन्हें किया कोरोना यौद्धा से सम्मानित कुलबीर मलिक, डॉ सचिन गर्ग, नरेश सैनी, नरेश खिप्पल, प्रदीप गर्ग, नरेंद्र सिंह, राम भजन वर्मा, विनोद गर्ग, डॉ भारतेन्दु सुभाष चन्द्र, करमबीर, राजकुमार, राजकुमार वर्मा, डॉ इन्दु शर्मा, माम चंद, मेहर चंद धीमान, मनोहर लाल, मंजीत सिंह दहिया, उषा लाठर, संजय कुमार धीमान, उर्वशी शर्मा, संजीव

हरीश, सतीश गोंदर, डॉ शिव चरण, राम शरण शर्मा, मनीष भार्गव, प्रशांत शर्मा, रविकांत वर्मा, सुदेश रानी, विनोद कुमार खिप्पल, अनिल कुमार, रमेश शर्मा, रविन्द्र शर्मा, नवीन खिप्पल, पवन कुमार, भारत भूषण, सुशील कैनवल, राजेश, जगमाल सिंह, गुरप्रीत सिंह, बलिंद्र पाल सैनी, डूम समाज कल्याण, सुमन प्रजापति, तोषार, नरेंद्र गुप्ता, पवन लाकड़ा, मैहता, चेतराम बेनीवाल, कुलदीप, डॉ शारवी गोयल, सुरेंद्र कुमार, कार्तिक चौहान, मदन लाल, विजय सिंह, शीतल सिंह, संतोष, नीलम, सीमा, सुनीता रानी, पवन धीमान, रेणु राणा, उमंग शर्मा, रविकांत, सौरभ कुमार, राकेश भारद्वाज, पार्थ, याशिका, हिमांशु ठाकुर, विनोद कुमार वर्मा, अजय वर्मा, प्रियंका वर्मा, दिव्या, अक्षय आदि।

मुंबई के लोगों की एकता एवं धैर्य बेमिसाल: रतन टाटा

मुंबई, 26 नवंबर (वेबवार्ता)। उद्योगपति एवं टाटा संस समूह के एमिरेट्स चैयरमेन रतन टाटा ने मुंबई आतंकवादी हमले की 12 वीं बरसी पर गुरुवार को कहा कि वाणिज्यिक नगरी में रहने वाले विविध तरह के लोगों ने उस संकट के समय सभी मतभेदों को दरकिनार करके जिस भावना और धैर्य का परिचय दिया था

छब्बीस नवंबर 2012 को मुंबई हमले का मुख्य निशाना टाटा समूह का ताज होटल था। इस हमले में 150 से अधिक लोग मारे गये थे और 300 से अधिक घायल हुए थे। रतन टाटा ने हमले की 12 वीं बरसी पर इंस्टाग्राम पर एक बहुत ही भावुक पोस्ट लिखी जिसे उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर भी साझा किया है। पोस्ट के साथ टाटा ने होटल ताज की तस्वीर भी साझा की है। रतन टाटा ने लिखा, 12 वर्ष पहले आज के दिन जो भारी विनाश हुआ था, उसे भुलाया नहीं जा सकता।लेकिन इससे भी ज्यादा यह स्मरण करने की बात यह है कि उस दिन किस तरह से विविध तरह के लोगों ने वाली मुंबई में एकजुट होकर और अपने सभी मतभेदों को भुलाकर आतंकवाद तथा विनाश से मुकाबला किया था। वह सराहनीय है तथा हमें अपनी एकता

को संभालकर रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आज हमें निश्चित रूप से उन बहादुर लोगों के सम्मान में शोक मनाना चाहिए जिन्होंने दुश्मन से मुकाबले में अपना जीवन न्यौछावर कर दिया, किंतु हमें इस बात की सराहना भी करनी चाहिए कि हमने किस तरह से एकता, दया और संवेदनशीलता का परिचय दिया था और हमें आशा है कि आने वाले वर्षों में भी हम इसे बरकरार रखेंगे।

राज्य सरकार किसानों से धान की सीधी खरीद करेगी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 26 नवम्बर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने कहा है कि राज्य सरकार मूल्य समर्थन योजना के तहत किसानों से धान की सीधी खरीद करने के लिए गम्भीर है। प्रदेश सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। इसके दृष्टिगत धान खरीद में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हितों की अनदेखी करने वालों की जवाबदेही तय करते हुए ऐसे लोगों की खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में धान खरीद व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की अपेक्षा अब तक डेढ़ गुना अधिक धान क्रय किया जा चुका है। इसके बावजूद, किसानों के व्यापक हितों को देखते हुए खरीद प्रक्रिया में और तेजी लाने की आवश्यकता है। एम0एस0पी0 के अन्तर्गत धान क्रय करने के लिए 4200 केन्द्र स्थापित किये गये हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि यदि आवश्यकता हो तो और अतिरिक्त क्रय केन्द्र भी स्थापित किये जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि धान क्रय करने वाली सभी संस्थाएं पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करें। धान खरीद प्रक्रिया में कतई ढिलाई न बरती जाए। धान खरीद केन्द्रों पर मनमानी नहीं होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि धान क्रय केन्द्र समय से संचालित हों। किसानों को 72 घण्टे के अन्दर उनकी उपज का भुगतान हर हाल में कर दिया जाए। उन्होंने धान क्रय प्रक्रिया की गहन मॉनीटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा स्वयं प्रतिदिन समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मण्डी में आने वाला पूरा धान खरीदा जाए। सहकारिता विभाग द्वारा धान खरीद में तेजी लायी जाए। उन्होंने सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे फील्ड में तैनात अपने अधिकारियों के कार्यों की गहन मॉनीटरिंग करें तथा धान खरीद में ढिलाई बरतनें वाले कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि खाद्य विभाग द्वारा भी जनपदों में संचालित अपने धान क्रय केन्द्रों की नियमित समीक्षा की जाए।

जुए की वेबसाइटों पर प्रतिबंध को लेकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर केंद्र को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि वह जुआ, सट्टेबाजी और बाजी लगाने से जुड़ी वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाने के लिये कदम उठाए। याचिका में कहा गया कि विभिन्न राज्यों द्वारा ऐसी गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिये कई कानून बनाए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में वेबसाइट जुआ, सट्टेबाजी और दांव लगाने के खेल की सुविधा देती हैं और भारत में उनतक पहुंच सहज है। वित्तीय परामर्श सेवा उपलब्ध कराने वाले अविनाश मेहरोत्रा की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है, ये सभी गतिविधियां यद्यपि कानून द्वारा निषिद्ध हैं लेकिन कानूनों को प्रभावी तरह से लागू नहीं किये जाने की वजह से बदस्तूर जारी हैं। भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी प्रणाली अनियमित है और यह हवाला संचालन, धनशोधन को अंजाम देने के लिये उपयुक्त जगह है।

हैदराबाद में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए प्रचार करेंगे योगी

लखनऊ, 26 नवंबर (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 28 नवंबर को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के 150 वार्डों के लिए होने वाले चुनावों के लिए प्रचार करेंगे। भाजपा हैदराबाद में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रही है, और योगी आदित्यनाथ ओल्ड सिटी के गोलकोंडा क्षेत्र से अपना प्रचार अभियान शुरू करेंगे।

हालांकि निगम चुनाव आमतौर पर एक स्थानीय मामला होता है लेकिन भाजपा अपने स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार रही है, जिसमें केंद्रीय मंत्री अमित शाह, स्मृति ईरानी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हैं। योगी आदित्यनाथ हाल के दिनों में पार्टी के सबसे बड़े भीड़ खींचने वाले नेताओं में से एक के रूप में उभरे हैं, जिसका सबसे अच्छा उदाहरण हाल में संपन्न हुए बिहार विधानसभा का चुनाव है। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि, मुख्यमंत्री 28 नवंबर को हैदराबाद में एक रोड शो करेंगे। वहां वो एक दिन का प्रचार करेंगे। 1 दिसंबर को होने वाले ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम का चुनाव भाजपा के लिए एक प्रतिष्ठा का सवाल है और ये इस बात से पता चलता है कि यहां भाजपा के कई स्टार प्रचारक मैदान में उतर रहे हैं जो कि अकसर स्थानीय चुनाव में देखने को नहीं मिलता है।

जनवरी-2021 में आईआरसीटीसी चलाएगा देव दर्शन यात्रा स्पेशल ट्रैन, बुकिंग शुरु

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

जयपुर/बीकानेर। इंडियन रेलवे कैटरिंग एण्ड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) अगले नए साल जनवरी2021 में देवदर्शन नाम से स्पेशल ट्रेन से यात्रा कराएगा।

यह ट्रैन 6 जनवरी को जयपुर से शुरू की जाएगी तथा इसमें स्लीपर के साथसाथ पहली बार थ्री एसी के डिब्बे भी लगाए जायेंगे। संयुक्त महाप्रबंधक (पर्यटन) योगेंद्र सिंह गुर्जर के अनुसार इस ट्रैन की बुकिंग सुविधा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह ट्रैन 6 जनवरी को सुबह जयपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होने के बाद इसमें अलवर, रेवाड़ी, दिल्ली सफदरजंग, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली तथा लखनऊ से यात्री सवार हो सकेंगे तथा इस यात्रा की अवधि 11 रात और 12 दिन की है। आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक सुनील तरनेजा ने बताया कि इस यात्रा के दौरान नाश्ता, भोजन, गंतव्य स्टेशन पर धर्मशाला में रहने तथा स्टेशन से धर्मशाला तक बस से लाने व ले जाने की व्यवस्था आईआरसीटीसी द्वारा की गयी है। इस ट्रैन का किराया स्लीपर श्रेणी में 11, 340/ प्रति व्यक्ति तथा थ्री एसी श्रेणी में 18,900/ प्रति व्यक्ति रखा गया है, जो कि अब तक किसी भी संस्था द्वारा लिए गए कीमत से न्यूनतम कीमत है। इस ट्रैन यात्रा में इन स्थलों का भ्रमण करवाया जायेगा उनमें अयोध्या ‑ राम लला, हनुमान गडी, कानन भवन मंदिर दर्शन, वाराणसी ‑ तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन, बैद्यनाथ (जसीडीह)‑बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग दर्शन, पुरी ‑भगवान जगन्नाथ मंदिर, सूर्य मंदिर (कोणार्क) तथा लिंगराज मंदिर (भुवनेश्वर) दर्शन, तिरुपति (रेनिगुंटा) ‑ तिरुपति बालाजी दर्शन, मल्लिकार्जुन ‑ मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग दर्शन शामिल है।

संविधान दिवस पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

बहराइच । गुरुवार को नेहरू युवा केन्द्र संगठन के तत्वाधान में संविधान दिवस समारोह का आयोजन जिला मुख्यालय केंद्र कार्यालय बहराइच में जिला युवा समन्वयक अनन्या सिंह के निर्देशानुसार किया गया जिसमे युवाओं ने संविधान उद्देशिका पढ़ते हुए शपथ ग्रहण की साथ ही साथ जिला प्रशिक्षक आदर्श मिश्र वा लेखाकार इन्द्रशेन चौधरी ने युवाओ को बताते हुए कहा 26 नवंबर 1949 को, संविधान समिति ने संविधान के प्रारूप को मंजूरी दी और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ. प्रारंभ में संविधान की कोई मुद्रित प्रति उपलब्ध नहीं थी. दिल्ली के प्रेमबिहारी नारायण रायजादा ने अंग्रेजी में और हिंदी में वसंत वैद्य ने संकलन की जिम्मेदारी स्वीकार की. प्रेमबिहारी रायजादा ने संविधान के 22 भागों, 395 लेखों और संविधान के 8 परिशिष्टों को बहुत ही सुंदर लिपि में लिखा. पहले पृष्ठ से अंतिम पृष्ठ तक लिखावट अद्भुत है. इसमें 254 बोतल स्याही और 303 निब वाले पेन लगे थे. इसके अलावा,

प्रत्येक पृष्ठ पर, महान चित्रकार नंदलाल के नेतृत्व में शांति निकेतन के कलाकारों ने फ्रेम को उकेरा. मूल पांडुलिपि के प्रत्येक भाग की शुरुआत में महान चित्रकार नंदलाल बोस ने भारतीय संस्कृति और इतिहास के साथ कुल 22 दृश्य खींचे हैं।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में शिक्षा सुधारों के लिए पोखरियाल को सम्मानित किया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । विश्व के प्रमुख विश्वविद्यालयों में शुमार कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सराहना की है और केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को देश में शैक्षिक सुधारों के लिए एक सुसंगत और लचीली शिक्षा प्रणाली बनाने के लिए सम्मानित किया है।

पोखरियाल को मंगलवार को अरबिंदो सोसायटी द्वारा आयोजित शून्य से सशक्तिकरण विषय पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सम्मानित किया गया। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस में ग्लोबल एजुकेशन के प्रबंध निदेशक रॉड स्मिथ ने भारत में शिक्षा के इतिहास पर बात करते हुए कहा, शिक्षा और अनुसंधान दुनिया के महत्वपूर्ण साधन हैं। भारत की शिक्षा प्रणाली का लंबा और शानदार इतिहास रहा है। स्मिथ ने कहा कि दुनिया में पहला विश्वविद्यालय 700 ईसा पूर्व में स्थापित किया गया था, जबकि एशिया में पहला और सबसे पुराना महिला कॉलेज कोलकाता में स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा, त्रिकोणमिति, कलन और बीजगणित के अध्ययन की उत्पत्ति भी भारत में हुई है। उन्होंने कहा कि कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, जो दुनिया का अग्रणी विश्वविद्यालय है, भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सराहना करता है। साथ ही एक सुसंगत और लचीली शिक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए अपनाए गए शिक्षा सुधारों के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को सम्मानित करता है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से स्थायी शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री की सराहना की।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले सात दशकों से भारत ने शिक्षा का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया है। अब हाल ही में आई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन में सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह शिक्षा प्रणाली रट्टा मार संस्कृति से दूर वास्तविक समझ की ओर ले जाने का वादा करती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कोविड19 महामारी के दौरान अग्रणी भूमिका के लिए 40 से अधिक शिक्षा अधिकारियों और 26 शिक्षकों को उनके अभिनव प्रयासों के लिए सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री ने इस अवसर पर इनोवेशन एंड लीडरशिप केसबुक कोविड एडिशन का अनावरण किया। इन ईबुक्स में देश भर के शिक्षा अधिकारियों और शिक्षकों के अभिनव प्रयोगों को संकलित किया गया है।

कोरोना की खौफ में शहनाई की गूंज, मुश्किल में घराती-बाराती

चार दुल्हे, दो दुल्हन व 15 बाराती हुए संक्रमित, कुछ परिवारों ने आगे बढ़ाई विवाह की तारीख

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। देवोत्थान एकादशी के बाद शहर से लेकर देहात तक में शादीब्याह के आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया है। आगामी दिनों में सैकड़ों शादियां होने वाली है। लेकिन सर्दियों के दस्तक देते ही एक बार फिर कोरोना की लहर के बीच सरकारी गाइडलाइन हर किसी की मुश्किले बढा दी है। कोरोना का सबसे ज्यादा असर उन परिवारों पर है, जिनके बेटेबेटियों की शादी है। यही वजह है कि जिन परिवारों के घर शादी है, वे कोरोना को लेकर कुछ ज्यादा ही खौफजदा है, क्योंकि एक तरफ गाइडलाइन के नाम पर पुलिसिया परमिशन का झंझट तो दुसरी तरफ किस मेहमान को बुलाएं तो किसे छोड़े की संकट ने नींद हराम कर रखी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्ती के बाद बैंडबाजा, कैटेरर्स से लेकर लॉन, मैरिज हॉल तक के कारोबारी सहमे हुए है। हालांकि सूब के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कहा है कि पुलिस गाइडलाइन के नाम पर बेवजह किसी को परेशान ना करें। यह अलग बात है कि शादी वाले छह परिवारों के घर में दुल्हादुल्हन के कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद प्रशासनिक अमला में भी हड़कंप मच गया है। चिकित्सकों की माने तो सात

फेरों से पहले ही चार दुल्हा और दो दूल्हन कोविड19 के शिकार हो गए हैं। इतना ही नहीं दूल्हा दुल्हन के परिवारों व उनके करीबी 15 रिश्तेदारों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। ऐसे में इनके लिए शादी ब्याह का आयोजन करना काफी मुश्किल हो गया है।

सूत्रों की मानें तो कुछ परिवार रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भी दवाइयां लेकर चोरी चुपके शादी के आयोजन की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे में इन परिवारों की शादियों में आने वाले मेहमानों व रिश्तेदारों को भी संक्रमण का खतरा रहेगा। हालांकि कुछ परिवारों ने अपने विवाह की तारीख आगे बढ़ा दिया है ताकि अन्य परिवार के लोग संक्रमित होने से बच सके। लेकिन जिन घरों में शादिया है उनके यहां सोशल डिस्टेंसिंग का बिलकुल ध्यान नहीं रखा जा रहा है। शादी में जहां धड़ल्ले से सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई जा रही है, वहीं बाराती बिना मास्क व सेनेटाइजर के बैंडबाजा की धुन पर थिरकते नजर आ रहे है। दुल्हादुल्हन जरुर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर, मुंह पर मास्क और हाथों में सैनिटाइजर लगाकर अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लेते देखे गए।

बता दें, कोरोना के बढ़ते प्रभाव के बाद हाईकोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के सबसे ज्यादा कोविड संक्रमण से प्रभावित जिलों में सप्ताह के हर दिन 24 घंटे ड्रोन कैमरे से भीड़भाड़ वाली जगहों पर निगरानी का निर्देश दिया है। ऐसे में लोगों में सबसे बड़ी चिंता विवाह हेतु प्रशासन को सूचना देने की है। अब नामपते सहित विवाह का इन्विटेशन कार्ड सहित शादी का ब्योरा मांगे जाने से लोग परेशान है। जिला प्रशासन अधिकारियों की माने तो, कोविड नियमों के तहत सरकार ने शादी समारोह में 100 से ज्यादा लोगों के सम्मिलित नहीं होने की गाइडलाइन जारी की है। समारोह में भी सामाजिक दूरी बनाने संग सभी लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय

नैनी स्टेशन के सामने

प्रभारी:

सुजीत चौरसिया

Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974

टेली– 09013 518 518

www.womenexpress.in

thewomenexpress@gmail.com

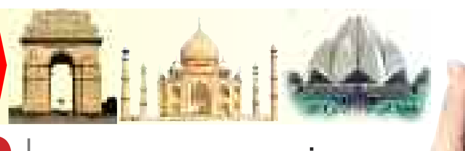

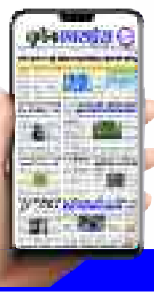

वूमेन एक्सप्रेस

किसान विरोधः दिल्ली में भी बिगडी व्यवस्था लोग हुए परेशान

एक नजर

पश्चिमी विक्षोभ से राजस्थान के अनेक इलाकों में बारिश

जयपुर । पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते राजस्थान के अनेक इलाकों में बारिश हुई है और न्यूनतम तापमान बढ़ा है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में राज्य के गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर चूरू, सीकर, सवाई माधोपुर, बूंदी, जयपुर, अजमेर तथा आसपास के जिलों में कहीं कहीं हल्की बारिश हुई है। सर्वाधिक वर्षा पूर्वी राजस्थान में, 17.0 मिलीमीटर बूंदी और पश्चिमी राजस्थान में 4.0 मिमी सँगरिया, में हुई है। इसी तरह चित्तौड़गढ़ में 16 मिमी, सवाई माधोपुर में 11 मिमी व टिब्बी में चार मिमी बारिश दर्ज की गयी। इसके अलावा अजमेर, कोटा अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, गंगानर व हनुमानगढ़ में अनेक जगह पर बूंदाबांदी हुई। विभाग के अनुसार बुधवार रात को न्यूनतम तापमान माउंट आबू में सबसे कम 5.0 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा वनस्थली में 8.0 डिग्री, डबोक में 10.0 डिग्री, गंगानगर में 10.8 डिग्री व जैसलमेर में 10.9 डिग्री दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार कोटा व भरतपुर संभाग के क्षेत्र में बृहस्पतिवार को भी पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव जारी रहने व आज शाम के बाद राज्य में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। वहीं 27-28 नवंबर को कहीकहीं हल्के से मध्यम कोहरा छाने की सम्भावना है।

अहमद पटेल किए गए सुपुर्द-ए-खाक, राहुल गांधी ने तदफीन में की शिरकत

भरूच। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल को गुजरात के भरूच जिले के उनके पैतृक गांव पिरमण में बृहस्पतिवार को सुपुर्दएखाक कर दिया गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी के अहम रणनीतिकार और संकटमोचक की तदफीन में शिरकत की। पटेल का बुधवार को इंतकाल हो गया था। पटेल की मय्यत को वडोदरा से पिरमण लाया गया था। इसके बाद सैकड़ों स्थानीय एवं कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में पटेल को मुस्लिम कब्रिस्तान में सुपुर्दए खाक किया गया। कांग्रेस नेता की मय्यत बुधवार रात वडोदरा हवाई अड्डे पहुंची थी और उसे भरूच जिले के अंकलेश्वर शहर में स्थित सरदार पटेल अस्पताल में रखा गया था। गांधी बृहस्पतिवार को सूरत हवाई अड्डे पहुंचे और फिर सड़क के रास्ते से पिरमण गए जहां उन्होंने दिवंगत सांसद के परिवार को दिलासा दिया। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि पटेल की इच्छा के मुताबिक, उन्हें उनके मातापिता की कब्र के बराबर में दफनाया गया है। पटेल की तदफीन में गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला समेत अन्य ने शिरकत की।

मप्र में नर्मदा क्षेत्र में नारियल खेती से बदलेगी किसानों की तकदीर

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार नर्मदा घाटी क्षेत्र (वैली) इलाके में नारियल की खेती के जरिए किसानों की तकदीर बदलने की तैयारी कर रही है। कुछ किसानों के सफल हुए प्रयोगों से सरकार भी उत्साहित है। जबलपुर के लमेटा घाट क्षेत्र में किसान अनिल पचैरी ने नर्मदा ग्रीन पार्क के जरिए किसानों के लिए आदर्श प्रस्तुत किया है। दस एकड़ के इस कृषि फॉर्म में नारियल के पेड़ लहलहाने लगे हैं और उन पर नारियल की फसल आनी शुरू हो गई है। यहां नारियल के पेड़ों के बीच गुलाब के फूल भी उगाए जा रहे हैं, इसके साथ ही चना और तुअर की खेती भी हो रही है। यह पूरी तरह रसायनों से दूर जैविक ख्रेती है। कृषि मंत्री कमल पटेल ने अनिल पचैरी के फार्म हाउस का भ्रमण करने के बाद कहा कि इस तरह की वैकल्पिक खेती को प्रोत्साहित करके किसानों की आय को तेजी से बढ़ाया जा सकता है। अन्य किसानों को प्रेरित करने के साथ ही वह अपने गृहग्राम बारंगा में भी नारियल की खेती शुरू करेंगे। नर्मदा ग्रीन पार्क के संचालक अनिल पचैरी ने बताया कि नारियल का पेड़ वायुमंडल से अपने लिए पानी लेता है, इस लिहाज से नर्मदा नदी के किनारे की आर्द्रता नारियल के लिए मुफीद साबित हुई है। नारियल को लक्ष्मी का पौधा कहा जाता है, एक बार लग जाने के बाद यह हमेशा धनवर्षा करता है। साथ नारियल के पेड़ लगाने पर दस एकड़ में एक करोड़ रुपये तक के टर्नओवर का दावा किया।

रेलवे ने बनाई 27 लाख रेल परिवार की हाईटेक 'कुंडली'

13 लाख सेवारत, 14 लाख रिटायर्ड कर्मियों का ब्यौरा एक क्लिक में

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवम्बर भारतीय रेलवे अपने 13 लाख सेवारत कर्मचारियों एवं 14 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सुविधा के लिए एक नई शुरुआत की है।

सभी कर्मचारियों की पूरी कुंडली नई सुविधा के तहत आनलाइन प्लेटफार्म पर उपलब्ध्र कर दी है। अब कोई भी कर्मचारी एक क्लिक के जरिये अपनी नौकरी का विवरण, रिटायरमेंट, ग्रेच्युटी, पेंशन, पीएफ, यात्रा पास, यात्रा भत्ता, मेडिकल आदि का ब्यौरा घर बैठे देख और हासिल कर सकता है। इसके लिए उसे रेलवे के क्षेत्रीय मुख्यालया, मंडल कार्यालयों के धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। इस बावत भारतीय रेलवे ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली को हाईटेक एवं बेहतर बना दिया है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने वीरवार को एसआरएमएस नामक पोर्टल लांच किया है। इसमें तीन नई सुविधाओं को जोड़ा गया है। इसमें कर्मचारी अपना विवरण खुद ही देख सकेगा और गलतियों को सुधार भी सकेगा।

खास बात यह है कि इस नई सुविधा में रेल कर्मचारी अपना भविष्य निधि (पीएफ) एडवांस के लिए आनलाइन आवेदन भी कर सकेगा। इसके अलावा रिटायर्ड होने वाले कर्मचारी भी अपनी पेंशन को भर सकेंगे और उसका ब्यौरा

आनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें कार्यालयों के धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। इस नई सुविधा के लांच होने से लाखों कर्मचारियों के काम काज पर बड़ा परिवर्तन आएगा। एचआरएमएस से सभी कर्मचारियों के कामकाज पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा और कर्मचारी टैक्नोलॉजी की अधिक से अधिक जानकारी रख सकेंगे।

रेलवे परिवार के लिए बड़ा कदमः चेयरमैन

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ विनोद कुमार यादव के मुताबिक कर्मचारी स्वयंसेवा (ईएसएस) मॉड्यूल डाटा परिवर्तन से संबंधित कम्युनिकेशन सहित एचआरएमएस के विभिन्न मॉड्यूलों से इंटरऐक्ट करने में रेल कर्मचारियों को सक्षम बनाता है। प्रोविडेंट फंड (पीएफ) एडवांस मॉड्यूल के माध्यम से रेलवे कर्मचारी अपना पीएफ बैलेंस देख सकेंगे और पीएफ एडवांस के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। चेयरमैन के मुताबिक सैटलमेंट मॉड्यूल से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सभी अदायगी प्रक्रिया डिजिटल हो गई है। कर्मचारी ऑनलाइन रूप से अपने सैटलमेंट/पेंशन बुकलेट को भर सकते हैं। सर्विस और ब्योरा ऑनलाइन प्राप्त किया जा सकता है और पेंशन का पूरा काम ऑनलाइन होता है। इससे कागज के इस्तेमाल में कमी आएगी और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के बकायों की प्रोसेसिंग की मॉनिटरिंग हो सकेगी।

यात्रा पास, आफिस आर्डर, परफोरमेंस रिपोर्ट सबकुछ हाईटेक

भारतीय रेल ने इन मॉड्यूल से पहले ही एचआरएमएस के अनेक मॉड्यूल लॉन्च किए हैं। इनमें एम्प्लॉय मास्टर मॉड्यूल है, जिसमें रेलवे कर्मचारी का सभी बुनियादी सूचना ब्योरा मौजूद रहता है। इलैक्ट्रॉनिक सर्विस रिकॉर्ड मॉड्यूल ने कर्मचारियों की सेवा रिकॉर्ड को डिजिटल फॉरमेट में ला दिया है। ऐन्युअल परफोरमेंस रिपोर्ट (एपीएआर) मॉड्यूल ने सभी 12 लाख अराजपत्रित रेल कर्मचारियों की ऐन्युअल परफोरमेंस अप्रैजल लिखने की प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया है। कागजी पास का स्थान इलैक्ट्रॉनिक पास मॉड्यूल ने ले लिया है। ऑफिस ऑर्डर मॉड्यूल ऑफिस ऑर्डर जारी करने और नये कर्मचारी के सेवा में शामिल होने, पदोन्नति स्थानांतरण और सेवानिवृत्ति संबंधी डाटा को अद्यतन बनाने का काम करता है।

एशिया में सबसे ज्यादा रिश्वत की दर भारत मेंः ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था 'ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल' की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एशिया में सबसे ज्यादा रिश्वत की दर भारत में है और सार्वजनिक सेवाओं का उपयोग करने के लिए व्यक्तिगत संपर्कों का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या भी यहीं सबसे अधिक है। 'ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर (जीटीबी) एशिया' के अनुसार रिश्वत देने वालों में से लगभग 50 प्रतिशत से ऐसा करने को कहा गया था, वहीं निजी संपर्कों का उपयोग करने वालों में से 32 प्रतिशत का कहना था कि रिश्वत नहीं देने पर उन्हें सेवा प्राप्त नहीं होती।

यह रिपोर्ट उस सर्वेक्षण पर आधारित है, जो इस वर्ष भारत में 17 जून से 17 जुलाई के बीच किया गया था और इसमें 2,000 लोगों को शामिल किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'क्षेत्र में रिश्वत देने की उच्चतम दर (39 प्रतिशत) के साथ साथ भारत में उन लोगों की संख्या भी सबसे अधिक (46 प्रतिशत) है, जो लोक सेवाओं का उपयोग करने के लिए निजी संपर्कों का उपयोग करते हैं।'' रिपोर्ट में कहा गया है, 'राष्ट्रीय और राज्य सरकारों को लोक सेवाओं के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार लाने, रिश्वतखोरी और भाई भतीजावाद पर काबू के लिए निवारक उपायों को लागू करने तथा आवश्यक लोक सेवाओं को जल्दी व प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए लोगों के अनुकूल ऑनलाइन प्लेटफार्मों में निवेश करने की आवश्यकता है।' इसमें कहा गया है कि भ्रष्टाचार पर काबू के लिए ऐसे मामलों की जानकारी देना महत्वपूर्ण है लेकिन भारत में ज्यादातर नागरिकों (63 प्रतिशत) का मानना है कि अगर वे भ्रष्टाचार की रिपोर्ट करेंगे तो उन्हें बदले की कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार भारत, मलेशिया, थाईलैंड, श्रीलंका और इंडोनेशिया सहित कई देशों में यौनउत्पीड़न की दर भी अधिक है और खासकर लैंगिक आधार पर भ्रष्टाचार पर काबू के लिए काफी कुछ करने की जरूरत है।

कोरोनाः स्कूली छात्राओं पर दिखेगा भयावह असर, स्टडी में दावा

तकरीबन दो करोड़ छात्राएं कभी भी स्कूल वापस न लौट सकें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। चीन से दुनिया के अन्य देशों में फैल चुका कोरोना वायरस लगातार कहर बरपा रहा है। महामारी को अब तक एक साल पूरे हो चुके हैं और लाखों लोगों की जान जा चुकी है। भारत समेत विभिन्न देश लगातार कोरोना की वैक्सीन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें काफी हद तक सफलता भी मिलती दिखाई दे रही है। कोरोना ने पिछले एक साल में इकॉनमी, हेल्थ आदि पर बहुत बुरा प्रभाव डाला है।

हाल ही में प्रकाशित हुई एक स्टडी की मानें तो कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की शिक्षा पर भी बुरा असर पड़ा है। स्टडी में दावा किया गया है कि हो सकता है कि तकरीबन दो करोड़ छात्राएं कभी भी स्कूल वापस न लौट सकें। यह स्टडी राइट टू एजुकेशन फोरम ने सेंटर फॉर बजट एंड पॉलिसी स्टडीज और चैंपियंस फॉर गर्ल्स एजुकेशन के साथ मिलकर की है। यह स्टडी पांच राज्यों में की गई है।

स्टडी में बताया गया है कि लगभग 37 फीसदी छात्राएं इस बात पर निश्चित नहीं हैं कि वे स्कूल वापस भी लौट सकेंगी। मैपिंग द इंपैक्ट ऑफ कोविड19 नाम से हुई यह स्टडी गुरुवार को रिलीज हुई, जिसमें यूनिसेफ के एजुकेशन प्रमुख टेरी डर्नियन के अतिरिक्त बिहार स्टेट कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स की अध्यक्ष प्रमिला कुमारी प्रजापति ने इस गंभीर चिंता व्यक्त की है। इस स्टडी में जून महीने में 3176 परिवारों पर सर्वे किए गए हैं। जिन राज्यों के जिलों को इसमें शामिल किया गया है, उनमें यूपी के 11 जिले, बिहार के 8 जिले, असम के 5 जिले हैं।

इसके अलावा, तेलंगाना के 4 और दिल्ली का भी 1 जिला इसमें शामिल है। स्टडी के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर तबके के तकरीबन 70 फीसदी लोगों ने माना है कि उनके पास पर्याप्त खाने के लिए भी नहीं है।

स्टडी में दावा किया गया है कि डिजिटल तरीके से हो रही पढ़ाई में छात्राओं को नुकसान हो रहा है। इसमें सामने आया है कि अगर किसी घर में मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा एक ही व्यक्ति के पास है तो फिर उसमें प्राथमिकता छात्रा के बजाए छात्र को मिल रही है। 37 फीसदी लड़कों की तुलना में सिर्फ 26 फीसदी लड़कियों ने माना कि उन्हें पढ़ाई के लिए फोन मिल पाता है। इसके अलावा, स्टडी में शामिल कुल परिवारों में से लगभग 52 फीसदी के पास घर पर टीवी सेट था। इसके बाद भी केवल 11 फीसदी बच्चों ने ही पढ़ाई से जुड़ा प्रोग्राम देख पाने की बात कही है।

यूपी में होम स्टे योजना बनेगी रोजगार का जरिया

लखनऊ, 26 नवंबर (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अब लोगों को घर बैठे रोजगार देने की रणनीति बना रही है। लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार वन विभाग की होम स्टे योजना का विस्तार करने की तैयारी में जुटी है। वन विभाग ने इसका खाका तैयार कर लिया है। लखीमपुर और बहराइच के बहुत छोटे दायरे में सीमित होम स्टे योजना का प्रदेश के कई जिलों में विस्तार किया जाएगा। योजना के तहत वन विभाग पर्यटकों को राज्य के अलग अलग स्थानों पर ठहरने और खाने पीने की सुविधा उपलब्ध करायेगा। इस योजना के तहत वन विभाग ऐसे लोगों को जोड़ेगा जो पर्यटकों को ठहरने और खान पान की सुविधा उपलब्ध करा सकें। इसके बदले स्थानीय लोगों को पर्यटकों से किराये के रूप में एक निश्चित धनराशि के साथ खान पान की कीमत भी मिलेगी। योजना के विस्तार के लिए वन विभाग ने अलग अलग इलाकों में एजेंसी के जरिये सर्वे का काम शुरू कर दिया है। होम स्टे योजना से सबसे ज्यादा रोजगार जंगल से लगे इलाकों को होगा। योजना पर काम कर रहे अधिकारियों के अनुसार, होम स्टे योजना के विस्तार के तहत अलग अलग इलाकों में स्थानीय लोगों से आवेदन मांगे जाएंगे। आवेदन करने वालों के व्यवहार, शिक्षा, सुरक्षा और स्वच्छता की पूरी पड़ताल के बाद योजना में पंजीकृत किया जाएगा। पंजीकृत लोगों के घर देशी और विदेशी पर्यटक ठहर सकेंगे। पंजीकृत लोगों का वन विभाग अलग अलग संस्थाओं के माध्यम से पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा से संबंधित मुफ्त प्रशिक्षण भी देगा। होम स्टे योजना में पंजीकृत लोग पर्यटकों को आस पास घुमाने में गाइड की भूमिका भी निभा सकेंगे।

भाजपा सरकारें समता मूलक समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्धः नड्डा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने संविधान दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को श्रद्धंजलि अर्पित की और कहा कि भाजपा की सरकारें उनकी अपेक्षा के अनुरूप समता मूलक समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं भी दी। नड्डा ने कहा, ''भाजपा की बाबासाहेब के विचारों के प्रति कटिबद्धता के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने उनकी याद में भव्य 'पंचतीर्थ' का निर्माण कर उन्हें विशिष्ट सम्मान दिया। भाजपा सरकार उनकी अपेक्षा के अनुरूप समता मूलक समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने देश को एक सुदृढ़ संविधान देने वाले आम्बेडकर को नमन किया और कहा कि एक निष्ठ कर्मयोगी के रूप में उन्होंने संविधान द्वारा भारतीय समाज को परिवर्तित करने का अद्वितीय कार्य किया। उन्होंने कहा, ''उनका कर्मयोग, संघर्ष व सुधारवाद सभी के लिए प्रेरणास्पद है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाले ग्रन्थ को समर्पित 'संविधान दिवस' की समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं ।

संविधान में हमारे जीवन, मूल्य, व्यवहार एवं परंपरा का समावेश है और इसकी मजबूती के कारण ही हम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की ओर अग्रसर हैं।'' देश में आज संविधान दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन देशभर में राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में भी जाना जाता है और देश में संविधान को अपनाये जाने का स्मरण कराता है। देश की संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को वर्तमान संविधान को विधिवत रूप से अंगीकार किया था, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।

हिमाचल में सीजन का सबसे भारी हिमपात दो नेशनल हाईवे और 227 सडकें बंद

शिमला । हिमाचल में इस मौसम का सबसे भारी हिमपात दर्ज हुआ है। बुधवार से जारी बर्फबारी के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। पर्वतीय इलाकों में हिमपात से अनेक सडक़ों के अवरुद्ध होने से परिवहन व्यवस्था चरमरा गई है। प्रदेश में गुरुवार को दो नेशनल हाइवे और 227 सडकों पर वाहनों की आवाजाही ठप रही। कुल्लू जिला में एनएच3 और एनएच305 ताज़ा हिमपात से अवरुद्ध हो गया है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार लाहौलस्पीति में 101, चम्बा में 61, शिमला में 28, कुल्लू में 22 और किन्नौर में 15 सडक़ें बर्फबारी से बंद रहीं।

बर्फबारी के बाद प्रदेशभर में 701 विद्युत ट्रांसफार्मर ठप्प हो गए हैं। अकेले शिमला जिला में 547 ट्रांसफार्मर बंद रहे। सिरमौर में 80, कुल्लू में 29 और चम्बा में 15 ट्रांसफार्मर ठप्प हुए। इसी तरह कुल्लू जिला में आईपीएच की 41 स्कीमें बर्फबारी के कारण प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग ने अगले 5 दिन राज्य भर में मौसम के साफ रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के निदेशक मनमोहन सिंह ने बताया कि आगामी दो दिसम्बर तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा।

दूर दराज में खाद्य प्रसंस्करण की सुविधा होः तोमर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 26 नवंबर । केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कहा कि सरकार दूर दराज के क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण की सुविधा का विकास करने का प्रयास कर रही है ताकि किसानों की आय बढ़ाई जा सके और जल्दी नष्ट होने वाले कृषि उत्पादों को बचाया जा सके ।

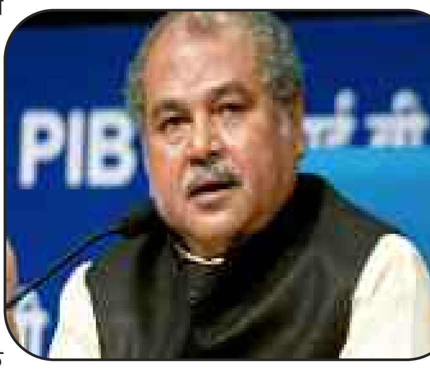

तोमर ने उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल बैठक कर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास पर विस्तार से चर्चा की।तोमर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश में दूरस्थ अंचलों तक फूड प्रोसेसिंग सुविधा पहुंचाने का है। उन्होंने उद्योगों से इसमें सहयोग की अपील की। साथ ही, प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव (पीएलआई) स्कीम के विस्तृत दिशा निर्देश बनाने संबंधी सभी उद्योगों से चर्चा कर सुझाव लिए गए, ताकि इसका अच्छे से क्रियान्वयन किया जा सकें। देश की विनिर्माण क्षमता एवं निर्यात बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की इस नई स्कीम से व्यापक लाभ होगा।

तोमर ने कहा, देश में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र ने हर समय अपनी मजबूती साबित की है। ये हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर सभी आवश्यक छूट दिए जाने से कोरोना संकट के दौरान लॉकडाउन में भी कृषि क्षेत्र की गतिविधियां काफी हद तक अच्छी रही। बुआई, कटाई, उपार्जन आदि का गत वर्षों से अधिक काम हुआ और ज्यादा सफलता मिली। इस दौरान सबने यह महसूस किया कि खाद्य सामग्री के बिना काम नहीं चल सकता। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित अभियान में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग के साथ ही कृषि उत्पादन व किसानों की आय बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। इसी दृष्टि से सरकार ने कानूनी सुधार किए है तथा निजी निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए अनेक उपाय किए है। एक लाख करोड़ रूपए का कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड सरकार लाई और कृषि से सम्बद्ध क्षेत्रों के लिए भी अनेक पैकेज घोषित किए हैं।

छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर उन्हें संवेदनशील मनुष्य बनाएं विश्वविद्यालय

सिक्किम की आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बोले उपराष्ट्रपति

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 26 नवम्बर । उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आज विश्वविद्यालयों और शिक्षा प्रदाताओं का आह्वान किया कि वे शिक्षा प्रणाली का पुनर्मूल्यांकन करें और इसे अधिक मूल्य आधारित, समग्र तथा पूर्ण बनाएं। सिक्किम की आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी के 13वें ईदीक्षांत समारोह को आज उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने शिक्षा प्रदाताओं से कहा कि वे हमारी समग्र वैदिक शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लें और नई शिक्षा नीति की परिकल्पना को समझें।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के शब्दों को उद्धृत करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी शिक्षा जो मूल्यों से रहित हो, वह सच्ची शिक्षा नहीं है। उन्होंने कहा,'शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों से यह उम्मीद की जाती है कि वे छात्रों का विकास ऐसे मनुष्य के रूप में करें, जो सिर्फ डिग्रीधारक नहीं, बल्कि संवेदनशील

हों।'उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि अक्सर धन प्राप्त करने की दौड़ में इस पहलू की उपेक्षा कर दी जाती है। जलवायु परिवर्तन का उदाहरण देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए जो समग्र समाधान सुझाए जाएं उनमें मूल्य आधारित शिक्षा और प्रकृति का सम्मान शामिल होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्राकृतिक आपदाओं की चुनौती से निपटने के लिए नये रक्षात्मक और नवाचार युक्त समाधान सुझाने के लिए हमें अपने इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदोंको बेहतर क्षमताओं से लैस करना होगा। उन्होंने आगाह किया कि हालांकि किसी भी प्राकृतिक विपदा को मानवीय हस्तक्षेप से पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता, लेकिन हमें उसके प्रभाव को कम से कम करना है।

उपराष्ट्रपति ने इस बात को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारी प्राचीन व्यवस्था में मूल्यों पर हमेशा जोर दिया गया, हमारे वेदों और उपनिषदों में खुद अपने प्रति, अपने परिवार के प्रति, अपने समाज और प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्यों की ओर इंगित किया गया है। हमें प्रकृति के साथ पूरे सामंजस्य से रहना सिखाया गया है। किसी व्यक्ति के जीवन में प्रकृति और संस्कृति के महत्व को बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि छात्रों को प्रकृति से सीखना चाहिए और हमारी प्राचीन संस्कृति द्वारा सिखाए गए मूल्यों का अनुपालन करना चाहिए।